

## Examples for Restoring Iouo's Name in the Bible (26 Languages)

This treatise tries to give examples in various languages for how to restore God's Name Iouo in the Bible. It attempts to restore God's Name Iouo to places in the Bible where it is rendered with a false pronunciation or even substituted by a title (along with articles).

All mentionings of God's Name in the Bible texts quoted in this treatise have been corrected in this manner. However, in order to minimize disrespectful treatment of God's word the Bible (e.g. by placing footnotes, brackets or comments directly into the Bible text, adding headlines, etc.) the necessary changes to the quoted texts have not been marked individually. The quoted Bible versions are listed at the end of this document.

Due to very limited knowledge of the respective grammar, phonetics, orthography etc. of many of the languages quoted in this treatise, mistakes are quite likely to have occurred. Please excuse these shortcomings. Feedback from persons well versed in these languages is welcome.

A. Gn 1:1-28	Russian	2	N. Nm 6:22-27 Nm 8:1-18	Polish	18
B. Gn 2:6-25	Hindi	3	O. Nm 11:16-30	Korean	19
C. Gn 7:1-20	Arabic	4	P. Jo 1:1-15	Portuguese	20
D. Gn 9:1-27	Dakota	5	Q. Jgs 7:1-22	Swahili	21
E. Gn 11:1-9 Gn 12:1-9	Italian	6	R. Ru 2:1-20	Japanese	22
F. Gn 14:8-24	Vietnamese	7	S. 1Kgs 8:22-56	Urdu	23
G. Gn 22:1-19	Danish	8	T. Ps 19:1-14	Tagalog	25
H. Gn 27:1-39	Czech	9	U. Is 30:1-30	Maori	26
I. Gn 29:4-35	Dutch	10	V. Jer 51:1-48	Thai	28
J. Gn 32:23-32 Gn 35:1-12 Gn 49:1-28	Hungarian	11	W. Ez 14:1-11	Turkish	30
K. Ex 3:1-20	Latin	13	X. Jon 1:1-15 Jon 2:1-9,11 Jon 3:1-8,10	Indonesian	31
L. Ex 40:1-34	Swedish	14	Y. Mal 3:1-10 Mal 3:16-23	Yoruba	33
M. Lv 25:1-46	Tamil	15	Z. Rv 19:1-16	Greek	34

## A. Genesis 1:1-28

### Russian (ру́сский)<sup>a</sup>

#### Бытие 1:1-28

**1** В начале сотворил Иоуо Бог небо и землю. 2 Земля же была безвидна и пуста, и тьма над бездною, и Дух Иоуо Божий носился над водою. 3 И сказал Иоуо Бог: да будет свет. И стал свет. 4 И увидел Иоуо Бог свет, что он хорош, и отделил Иоуо Бог свет от тьмы. 5 И назвал Иоуо Бог свет днем, а тьму ночью. И был вечер, и было утро: день один. 6 И сказал Иоуо Бог: да будет твердь посреди воды, и да отделяет она воду от воды. 7 И создал Иоуо Бог твердь, и отделил воду, которая под твердью, от воды, которая над твердью. И стало так. 8 И назвал Иоуо Бог твердь небом. И был вечер, и было утро: день второй. 9 И сказал Иоуо Бог: да соберется вода, которая под небом, в одно место, и да явится суша. И стало так. 10 И назвал Иоуо Бог сушу землею, а собрание вод назвал морями. И увидел Иоуо Бог, что [это] хорошо. 11 И сказал Иоуо Бог: да произрастит земля зелень, траву, сеющую семя дерево плодovitое, приносящее по роду своему плод, в котором семя его на земле. И стало так. 12 И произвела земля зелень, траву, сеющую семя по роду ее, и дерево, приносящее плод, в котором семя его по роду его. И увидел Иоуо Бог, что [это] хорошо. 13 И был вечер, и было утро: день третий. 14 И сказал Иоуо Бог: да будут светила на тверди небесной для отделения дня от ночи, и для знамений, и времен, и дней, и годов; 15 и да будут они светильниками на тверди небесной, чтобы светить на землю. И стало так. 16 И создал Иоуо Бог два светила великие: светило большее, для управления днем, и светило меньшее, для управления ночью, и звезды; 17 и поставил их Иоуо Бог на тверди небесной, чтобы светить на землю, 18 и управлять днем и ночью, и отделять свет от тьмы. И увидел Иоуо Бог, что [это] хорошо. 19 И был вечер, и было утро: день четвёртый. 20 И сказал Иоуо Бог: да произведет вода пресмыкающихся, душу живую; и птицы да полетят над землею, по тверди небесной. 21 И сотворил Иоуо Бог рыб больших и всякую душу животных пресмыкающихся, которых произвела вода, по роду их, и всякую птицу пернатую по роду ее. И увидел Иоуо Бог, что [это] хорошо. 22 И благословил их Иоуо Бог, говоря: плодитесь и размножайтесь, и наполняйте воды в морях, и птицы да размножаются на земле. 23 И был вечер, и было утро: день пятый. 24 И сказал Иоуо Бог: да произведет земля душу живую по роду ее, скотов, и гадов, и зверей земных по роду их. И стало так. 25 И создал Иоуо Бог зверей земных по роду их, и скот по роду его, и всех гадов земных по роду их. И увидел Иоуо Бог, что [это] хорошо. 26 И сказал Иоуо Бог: сотворим человека по образу Нашему по подобию Нашему, и да владычествуют они над рыбами морскими, и над птицами небесными, и над скотом, и над всею землею, и над всеми гадами, пресмыкающимися по земле. 27 И сотворил Иоуо Бог человека по образу Своему, по образу Иоуо Божию сотворил его; мужчину и женщину сотворил их. 28 И благословил их Иоуо Бог, и сказал им Иоуо Бог: плодитесь и размножайтесь, и наполняйте землю, и обладайте ею, и владычествуйте над рыбами морскими и над птицами небесными, и над всяким животным, пресмыкающимся по земле.

## B. Genesis 2:6-25

### Hindi (हिन्दी)<sup>b</sup>

#### उत्पत्ति 2:6-25

6 तौभी कोहरा पृथ्वी से उठता था जिस से सारी भूमि सिंच जाती थी 7 और इओउओ परमेश्वर ने आदम को भूमि की मिट्टी से रचा और उसके नथनों में जीवन का श्वास फूंक दिया; और आदम जीवता प्राणी बन गया। 8 और इओउओ परमेश्वर ने पूर्व की ओर अदन देश में एक वाटिका लगाई; और वहां आदम को जिसे उसने रचा था, रख दिया। 9 और इओउओ परमेश्वर ने भूमि से सब भांति के वृक्ष, जो देखने में मनोहर और जिनके फल खाने में अच्छे हैं उगाए, और वाटिका के बीच में जीवन के वृक्ष को और भले या बुरे के ज्ञान के वृक्ष को भी लगाया। 10 और उस वाटिका को सींचने के लिये एक महानदी अदन से निकली और वहां से आगे बहकर चार धारा में हो गई। 11 पहिली धारा का नाम पीशोन है, यह वही है जो हवीला नाम के सारे देश को जहां सोना मिलता है घेरे हुए है। 12 उस देश का सोना चोखा होता है, वहां मोती और सुलैमानी पत्थर भी मिलते हैं। 13 और दूसरी नदी का नाम गीहोन है, यह वही है जो कूश के सारे देश को घेरे हुए है। 14 और तीसरी नदी का नाम हिदेकेल है, यह वही है जो अश्शूर के पूर्व की ओर बहती है। और चौथी नदी का नाम फरात है। 15 तब इओउओ परमेश्वर ने आदम को ले कर अदन की वाटिका में रख दिया, कि वह उस में काम करे और उसकी रक्षा करे, 16 तब इओउओ परमेश्वर ने आदम को यह आज्ञा दी, कि तू वाटिका के सब वृक्षों का फल बिना खटके खा सकता है: 17 पर भले या बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है, उसका फल तू कभी न खाना: क्योंकि जिस दिन तू उसका फल खाए उसी दिन अवश्य मर जाएगा॥ 18 फिर इओउओ परमेश्वर ने कहा, आदम का अकेला रहना अच्छा नहीं; मैं उसके लिये एक ऐसा सहायक बनाऊंगा जो उससे मेल खाए। 19 और इओउओ परमेश्वर भूमि में से सब जाति के बनैले पशुओं, और आकाश के सब भाँति के पक्षियों को रचकर आदम के पास ले आया कि देखें, कि वह उनका क्या क्या नाम रखता है; और जिस जिस जीवित प्राणी का जो जो नाम आदम ने रखा वही उसका नाम हो गया। 20 सो आदम ने सब जाति के घरेलू पशुओं, और आकाश के पक्षियों, और सब जाति के बनैले पशुओं के नाम रखे; परन्तु आदम के लिये कोई ऐसा सहायक न मिला जो उससे मेल खा सके। 21 तब इओउओ परमेश्वर ने आदम को भारी नीन्द में डाल दिया, और जब वह सो गया तब उसने उसकी एक पसली निकाल कर उसकी सन्ती मांस भर दिया। 22 और इओउओ परमेश्वर ने उस पसली को जो उसने आदम में से निकाली थी, स्त्री बना दिया; और उसको आदम के पास ले आया। 23 और आदम ने कहा अब यह मेरी हड्डियों में की हड्डी और मेरे मांस में का मांस है: सो इसका नाम नारी होगा, क्योंकि यह नर में से निकाली गई है। 24 इस कारण पुरुष अपने माता पिता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा और वे एक तन बने रहेंगे। 25 और आदम और उसकी पत्नी दोनो नंगे थे, पर लजाते न थे॥

## التكوين 7:1-20

7 وَقَالَ إِبْرَاهِيمُ لِنُوحٍ: «ادْخُلْ أَنْتَ وَجَمِيعُ بَيْتِكَ إِلَى الْفُلِّكَ لِأَنِّي آيَاكَ رَأَيْتُ بَارًا لَدَيْ فِي هَذَا الْحَيْلِ. 2 مِنْ جَمِيعِ الْبَهَائِمِ الطَّاهِرَةِ تَأْخُذُ مَعَكَ سَبْعَةَ سَبْعَةٍ ذَكَرًا وَأُنْثَى. وَمِنَ الْبَهَائِمِ الَّتِي لَيْسَتْ بِطَاهِرَةٍ اثْنَيْنِ: ذَكَرًا وَأُنْثَى. 3 وَمِنْ طُيُورِ السَّمَاءِ أَيْضًا سَبْعَةَ سَبْعَةٍ: ذَكَرًا وَأُنْثَى. لِاسْتِيقَاءِ نَسْلِ عَلَى وَجْهِ كُلِّ الْأَرْضِ. 4 لِأَنِّي بَعْدَ سَبْعَةِ أَيَّامٍ أَيْضًا امْطَرُ عَلَى الْأَرْضِ أَرْبَعِينَ يَوْمًا وَأَرْبَعِينَ لَيْلَةً. وَأَمْحُو عَنْ وَجْهِ الْأَرْضِ كُلَّ قَائِمٍ عَمَلُهُ». 5 فَفَعَلَ نُوحٌ حَسَبَ كُلِّ مَا أَمَرَهُ بِهِ إِبْرَاهِيمُ. 6 وَلَمَّا كَانَ نُوحٌ ابْنُ سِتِّ مِئَةٍ سَنَةٍ صَارَ طُوفَانُ الْمَاءِ عَلَى الْأَرْضِ 7 فَدَخَلَ نُوحٌ وَبَنُوهُ وَأَمْرَأَتُهُ وَنِسَاءُ بَنِيهِ مَعَهُ إِلَى الْفُلِّكَ مِنْ وَجْهِ مِيَاهِ الطُّوفَانِ. 8 وَمِنَ الْبَهَائِمِ الطَّاهِرَةِ وَالْبَهَائِمِ الَّتِي لَيْسَتْ بِطَاهِرَةٍ وَمِنَ الطُّيُورِ وَكُلِّ مَا يَدْبُ عَلَى الْأَرْضِ: 9 دَخَلَ اثْنَانِ اثْنَانِ إِلَى نُوحٍ إِلَى الْفُلِّكَ ذَكَرًا وَأُنْثَى. كَمَا أَمَرَ اللَّهُ نُوحًا. 10 وَحَدَّثَ بَعْدَ السَّبْعَةِ الْأَيَّامِ أَنَّ مِيَاهَ الطُّوفَانِ صَارَتْ عَلَى الْأَرْضِ. 11 فِي سَنَةِ سِتِّ مِئَةٍ مِنْ حَيَاةِ نُوحٍ فِي الشَّهْرِ الثَّانِي فِي الْيَوْمِ السَّابِعِ عَشَرَ مِنَ الشَّهْرِ انْفَجَرَتْ كُلُّ بَيَابِيعِ الْعُمُرِ الْعَظِيمِ وَانْفَتَحَتْ طَاقَاتُ السَّمَاءِ. 12 وَكَانَ الْمَطَرُ عَلَى الْأَرْضِ أَرْبَعِينَ يَوْمًا وَأَرْبَعِينَ لَيْلَةً. 13 فِي ذَلِكَ الْيَوْمِ عَيْنِهِ دَخَلَ نُوحٌ وَسَامٌ وَحَامٌ وَيَافِثُ بَنُو نُوحٍ وَأَمْرَأَةُ نُوحٍ وَثَلَاثُ نِسَاءِ بَنِيهِ مَعَهُمْ إِلَى الْفُلِّكَ. 14 هُمْ وَكُلُّ الْوَحُوشِ كَاجْنَاسِهَا وَكُلُّ الْبَهَائِمِ كَاجْنَاسِهَا وَكُلُّ الدَّبَابَاتِ الَّتِي تَدْبُ عَلَى الْأَرْضِ كَاجْنَاسِهَا وَكُلُّ الطُّيُورِ كَاجْنَاسِهَا: كُلُّ عُصْفُورٍ كُلِّ ذِي جَنَاحٍ. 15 وَدَخَلَتْ إِلَى نُوحٍ إِلَى الْفُلِّكَ اثْنَيْنِ اثْنَيْنِ مِنْ كُلِّ جَسَدٍ فِيهِ رُوحٌ حَيَاةٍ. 16 وَالذَّاحِلَاتُ دَخَلَتْ ذَكَرًا وَأُنْثَى مِنْ كُلِّ ذِي جَسَدٍ كَمَا أَمَرَهُ اللَّهُ. وَأَغْلَقَ إِبْرَاهِيمُ عَلَيْهِ. 17 وَكَانَ الطُّوفَانُ أَرْبَعِينَ يَوْمًا عَلَى الْأَرْضِ. وَتَكَاثَرَتِ الْمِيَاهُ وَرَفَعَتِ الْفُلُّكَ فَارْتَفَعَ عَنِ الْأَرْضِ. 18 وَتَعَاظَمَتِ الْمِيَاهُ وَتَكَاثَرَتْ جِدًّا عَلَى الْأَرْضِ فَكَانَ الْفُلُّكَ يَسِيرُ عَلَى وَجْهِ الْمِيَاهِ. 19 وَتَعَاظَمَتِ الْمِيَاهُ كَثِيرًا جِدًّا عَلَى الْأَرْضِ فَتَغَطَّتْ جَمِيعُ الْجِبَالِ الشَّامِخَةِ الَّتِي تَحْتَ كُلِّ السَّمَاءِ. 20 خَمْسَ عَشْرَةَ ذِرَاعًا فِي الْبَارْتِغَاعِ تَعَاظَمَتِ الْمِيَاهُ فَتَغَطَّتْ الْجِبَالَ. 21 فَمَاتَ كُلُّ ذِي جَسَدٍ كَانَ يَدْبُ عَلَى الْأَرْضِ مِنَ الطُّيُورِ وَالْبَهَائِمِ وَالْوَحُوشِ وَكُلُّ الزَّحَافَاتِ الَّتِي كَانَتْ تَزْحَفُ عَلَى الْأَرْضِ وَجَمِيعُ النَّاسِ. 22 كُلُّ مَا فِي انْفِهِ نَسَمَهُ رُوحٌ حَيَاةٍ مِنْ كُلِّ مَا فِي الْيَابِسَةِ مَاتَ. 23 فَمَحَا اللَّهُ كُلَّ قَائِمٍ كَانَ عَلَى وَجْهِ الْأَرْضِ: النَّاسَ وَالْبَهَائِمَ وَالذَّبَابَاتِ وَطُيُورَ السَّمَاءِ فَانْمَحَتْ مِنَ الْأَرْضِ. وَتَبَقِيَ نُوحٌ وَالَّذِينَ مَعَهُ فِي الْفُلِّكَ فَقَطَّ. 24 وَتَعَاظَمَتِ الْمِيَاهُ عَلَى الْأَرْضِ مِئَةً وَخَمْسِينَ يَوْمًا.

## D. Genesis 9:1-9:27

### Dakota (Dakhótiyapi)<sup>d</sup>

#### WICOICAGE 9:1-27

9 Unkan Wakantanka Nowa, cinca wicaye cin ko, wicayawašte qa, Icagapi qa ihduotapi, qa maka kin owancaya ojudan yapo; 2 Qa taku maka aškanškan taku maḥpiya okinye cin ko owasin, maka watutka owasin, qa mini owanca hogan owasin, ikonipapi qa ikonipapi kta, hena owasin ninape kin en nicupi ce. 3 Taku niya, qa škanškan kin owasin woyute nitawapi kta; peji wato iyecen hena owasin cicupi. 4 Tuka we, ceḥpi wiconi kin hee, yatapi kte šni. 5 Qa awicakehan we nitawapi kin on yanipi kin awakite kta, wamanica otoiyoḥi nape kin etanhan awakite kta, wicašta nape kin ko etanhan, otoiyoḥi hunka wanjiktu nape kin etanhan wicašta wiconi kin he awakite kta. 6 Wakantanka iye ouncage iyecen wicašta kin kaga; heon tuwe wicašta weye cinhan, he wicašta eciyatanhan weyapi kta. 7 Qa niyepi icagapi, qa maka kin owancaya ounyanpi, qa he ohna ihduotapo, ewicakiya. 8 Qa Wakantanka Nowa, cinca wicaye cin ko, owicakiye ca; 9 Iho miye wicotakuye mitawa ciciyasuta qa nicinca nihektam unpi kte cin om. 10 Nakun taku niya un kin, niyepi om unpi kin, taku kinyan, woteca, qa maka wamanica owasin, tona niye om wata kin etanhan inanpapi kin, taku maka akan ni un kin owasin om. 11 Niyepi om wicotakuye mitawa wakaga, qa taku ceḥpi yukan owasin minitan mini on icimana awihnuni waye kte šni, qa detanhan maka ihang ye kta on, icimana minitan kte šni, ewicakiya. 12 Qa, Wicoicage owasin, hehanyan niyepi en, qa taku ni un kin owasin en, wicotakuye wakage cin wowakta kin dee. 13 Mitinazipe kin maḥpiya šoka en ewehnake ca he wicotakuye make kin waqu kin, wowakta kin hee kta. 14 Qa tohan maka kin maḥpiya šoka wan ahanzi waye cinhan, maḥpiya šoka kin ekta mitinazipe kin tanin kta. 15 Qa wicotakuye mitawa weksuye kta, niyepi om, qa taku ni un kin owasin om, qa taku ceḥpi yuke cin owasin awihnuni kta e, detanhan icimana minitan kte šni. 16 Itazipa kin maḥpiya šoke cin en yanke kta, qa wicotakuye Wakantanka kici, qa taku maka akan niya un kin taku ceḥpi yuke cin owasin om, owihanke šniyan un kte cin, he weksuye kta e itazipa kin wanwahdake kta ce, Wakantanka eya: 17 Qa, Taku ceḥpi yuke cin maka akan owasin, wicotakuye wicawaqu kin wowakta kin hee kta, Wakantanka Nowa eciya. 18 Unkan Nowa cinca wicaye cin, wata qon etanhan inanpapi kin deepi, šem, qa ḥam, qa Japet. Unkan ḥam Kanan atkuku kin hee 19 Hena yamni Nowa cinca kin eepi, qa hena etanhan maka kin owancaya enanakiya iyayapi. 20 Unkan, Nowa maka kin kicanyan aye ca hastanhanka iyuwi hu hde. 21 Qa hetanhan miniša yatke ca witko, qa wakeya ohna tancodan un. 22 Unkan ḥam Kanan atkuku kin hee, atkuku tancodan un kin he wanhdake ca cincu nom tankan yakonpi kin, owicakiyaka. 23 Unkan šem Japet kici, šina wan icupi, qa napin hiyetepi kin akan ehnapapi, qa iḥeyata manipi, qa ateyapi tancodan un kin akaḥpapi; itepi kin iḥeyata unpi, hecen ateyapi tancodan un kin wanhdakapi šni. 24 Unkan Nowa, Miniša kin etahan kikota, qa cinhintku hakakta kin taku ecakicon qon sdotkiya; 25 Qa heya, Kanan yašicapi kta. Wowidake wowidag yapi kta, cinye wicaye cin he yuhapi kta. 26 Iouo šem taku wakan tawa kin yawaštepi nunwe. Kanan wowidake yuhapi kta. 27 Wakantanka Japet yuota kta, qa šem tawakeya kin ohna Japet ounye kta, qa Kanan wowidake yuhapi kta.

## **E. Genesis 11:1-9 and Genesis 12:1-9**

### **Italian (Italiano)<sup>e</sup>**

#### **Genesi 11:1-9**

**11** Tutta la terra aveva una sola lingua e le stesse parole. 2 Emigrando dall'oriente gli uomini capitarono in una pianura nel paese di Sennaar e vi si stabilirono. 3 Si dissero l'un l'altro: «Venite, facciamoci mattoni e cuociamoli al fuoco». Il mattone servi loro da pietra e il bitume da cemento. 4 Poi dissero: «Venite, costruiamoci una città e una torre, la cui cima tocchi il cielo e facciamoci un nome, per non disperderci su tutta la terra». 5 Ma Iouo scese a vedere la città e la torre che gli uomini stavano costruendo. 6 Iouo disse: «Ecco, essi sono un solo popolo e hanno tutti una lingua sola; questo è l'inizio della loro opera e ora quanto avranno in progetto di fare non sarà loro impossibile. 7 Scendiamo dunque e confondiamo la loro lingua, perché non comprendano più l'uno la lingua dell'altro». 8 Iouo li disperse di là su tutta la terra ed essi essarono di costruire la città. 9 Per questo la si chiamò Babele, perché là Iouo confuse la lingua di tutta la terra e di là Iouo li disperse su tutta la terra.

#### **Genesi 12:1-9**

**12** Iouo disse ad Abram: «Vàttene dal tuo paese, dalla tua patria e dalla casa di tuo padre, verso il paese che io ti indicherò. 2 Farò di te un grande popolo e ti benedirò, renderò grande il tuo nome e diventerai una benedizione. 3 Benedirò coloro che ti benediranno e coloro che ti malediranno maledirò e in te si diranno benedette tutte le famiglie della terra». 4 Allora Abram partì, come gli aveva ordinato Iouo, e con lui partì Lot. Abram aveva settantacinque anni quando lasciò Carran. 5 Abram dunque prese la moglie Sarai, e Lot, figlio di suo fratello, e tutti i beni che avevano acquistati in Carran e tutte le persone che li si erano procurate e si incamminarono verso il paese di Canaan. Arrivarono al paese di Canaan 6 e Abram attraversò il paese fino alla località di Sichem, presso la Quercia di More. Nel paese si trovavano allora i Cananei. 7 Iouo apparve ad Abram e gli disse: «Alla tua discendenza io darò questo paese». Allora Abram costruì in quel posto un altare a Iouo che gli era apparso. 8 Di là passò sulle montagne a oriente di Betel e piantò la tenda, avendo Betel ad occidente e Ai ad oriente. Lì costruì un altare a Iouo e invocò il nome di Iouo. 9 Poi Abram levò la tenda per accamparsi nel Negheb.

## F. Genesis 14:8-24

### Vietnamese (Tiếng Việt)<sup>f</sup>

#### Sáng-thể Ký 14:8-24

8 Các vua của Sô-đôm, Gô-mô-rơ, Át-ma, Xê-bô-im và vua Bê-la, tức là Xoa, bèn xuất trận và dàn binh đóng tại trũng Si-điêm, 9 đặng chống cự cùng Kết-rô-Lao-me, vua Ê-lam; Ti-đanh, vua Gô-im; Am-ra-phên, vua Si-nê-a, và A-ri-óc, vua Ê-la-sa; bốn vị đương địch cùng năm. 10 Và, trong trũng Si-điêm có nhiều hồ nhựa chai; vua Sô-đôm và vua Gô-mô-rơ thua chạy, sa xuống hồ, còn kẻ nào thoát được chạy trốn trên núi. 11 Bên thắng trận bèn cướp lấy hết của cải và lương thực của Sô-đôm và Gô-mô-rơ, rồi đi. 12 Giặc cũng bắt Lót, là cháu của Áp-ram, ở tại Sô-đôm, và hết thầy gia tài người, rồi đem đi. 13 Có một người thoát được chạy đến báo điều đó cùng Áp-ram, là người Hê-bơ-rơ. Áp-ram ở tại lùm cây dê bộp của Mam-rê, là người A-mô-rít, anh của Êch-côn và A-ne; ba người này đã có kết-ước cùng Áp-ram. 14 Khi Áp-ram hay được cháu mình bị quân giặc bắt, bèn chiêu tập ba trăm mười tám gia nhân đã tập luyện, sanh dê nơi nhà mình, mà đuổi theo các vua đó đến đất Đan. 15 Đoạn Áp-ram chia bọn đầy tớ mình ra, thừa ban đêm xông hãm quân nghịch, đánh đuổi theo đến đất Hô-ba ở về phía tả Đa-mách. 16 Người thù về đủ hết các tài vật mà quân giặc đã cướp lấy; lại cũng dẫn cháu mình, là Lót cùng gia tài người, đờn bà và dân chúng trở về. 17 Sau khi Áp-ram đánh bại Kết-rô-Lao-me và các vua đồng minh, thắng trận trở về, thì vua Sô-đôm ra đón rước người tại trũng Sa-ve, tức là trũng Vua. 18 Mên-chi-xê-đéc, vua Sa-lem, sai đem bánh và rượu ra. Và, vua này là thầy tế lễ của Đức Chúa Trời Chí cao, 19 chúc phước cho Áp-ram và nói rằng: Nguyên Đức Chúa Trời Chí cao, là Đấng dựng nên trời và đất, ban phước cho Áp-ram! 20 Đáng ngợi khen thay Đức Chúa Trời Chí cao đã phó kẻ thù nghịch vào tay người! Đoạn, Áp-ram lấy một phần mười về cả của giặc mà dâng cho vua đó. 21 Vua Sô-đôm bèn nói cùng Áp-ram rằng: Hãy giao người cho ta, còn của cải, thì người thù lấy. 22 Áp-ram đáp lại rằng: Tôi giơ tay lên trước mặt I-ô-u-ô Đức Chúa Trời Chí cao, Chúa Tể của trời và đất, mà thề rằng: 23 Hễ của chi thuộc về vua, dầu đến một sợi chỉ, hay là một sợi dây giày đi nữa, tôi cũng chẳng hề lấy; e vua nói được rằng: Nhờ ta làm cho Áp-ram giàu có, 24 chỉ món chi của những người trẻ đã ăn, và phần của các người cùng đi với tôi, là A-ne, Êch-côn và Mam-rê; về phần họ, họ hãy lấy phần của họ đi.

## G. Genesis 22:1-22:19

### Danish (Dansk)<sup>g</sup>

#### 1 Mosebog 22:1-19

**22** Efter disse Begivenheder satte Gud Abraham på Prøve og sagde til ham: "Abraham!" Han svarede: "Se, her er jeg!" 2 Da sagde han: "Tag din Søn Isak, din eneste, ham, du elsker, og drag hen til Morija Land og bring ham der som Brændoffer på et af Bjergene, som jeg vil vise dig!" 3 Da sadlede Abraham tidligt næste Morgen sit Æsel, tog to af sine Drengene og sin Søn Isak med sig, og efter at have kløvet Offerbrænde gav han sig på Vandring; til det Sted, Gud havde sagt ham. 4 Da Abraham den tredje Dag så op, fik han Øje på Stedet langt borte. 5 Så sagde Abraham til sine Drengene: "Bliv her med Æselet, medens jeg og Drengen vandrer derhen for at tilbede; så kommer vi tilbage til eder." 6 Abraham tog da Brændet til Brændofferet og lagde, det på sin Søn Isak; selv tog han Ilden og Offerkniven, og så gik de to sammen. 7 Da sagde Isak til sin Fader Abraham: "Fader!" Han svarede: "Ja, min Søn!" Da sagde han: "Her er Ilden og Brændet, men hvor er Dyret til Brændofferet?" 8 Abraham svarede: "Gud vil selv udse sig Dyret til Brændofferet, min Søn!" Og så gik de to sammen. 9 Da de nåede det Sted, Gud havde sagt ham, byggede Abraham der et Alter og lagde Brændet til Rette; så bandt han sin Søn Isak og lagde ham på Alteret oven på Brændet. 10 Og Abraham greb Kniven og rakte Hånden ud for at slagte sin Søn. 11 Da råbte Iouos Engel til ham fra Himmelen: "Abraham, Abraham!" Han svarede: "Se, her er jeg!" 12 Da sagde Engelen: "Ræk ikke din Hånd ud mod Drengen og gør ham ikke noget; thi nu ved jeg, at du frygter Gud og end ikke sparer din Søn, din eneste, for mig!" 13 Og da Abraham nu så op, fik han bag ved sig Øje på en Væder, hvis Horn havde viklet sig ind i de tætte Grene; og Abraham gik hen og tog Væderen og ofrede den som Brændoffer i sin Søns Sted. 14 Derfor kaldte Abraham dette Sted: Iouo udser sig, eller, som man nu til dags siger: Bjerget, hvor Iouo viser sig. 15 Men Iouos Engel råbte atter til Abraham fra Himmelen: 16 "Jeg sværger ved mig selv, lyder det fra Iouo: Fordi du har gjort dette og ikke sparet din Søn, din eneste, for mig, 17 så vil jeg velsigne dig og gøre dit Afkom talrigt som Himmels Stjerner og Sandet ved Havets Bred; og dit Afkom skal tage sine Fjenders Porte i Besiddelse; 18 og i din Sæd skal alle Jordens Folk velsignes, fordi du adlød mig!" 19 Derpå vendte Abraham tilbage til sine Drengene, og de brød op og tog sammen til Be'ersjeba. Og Abraham blev i Be'ersjeba.



## H. Genesis 27:1-27:39

### Czech (Čeština)<sup>h</sup>

#### První Mojžíšova 27:1-39

**27** Když se pak sstaral Izák, a pošly byly oči jeho, tak že neviděl, povolal Ezau syna svého staršího, a řekl jemu: Synu můj. Kterýžto odpověděl: Aj, teď jsem. 2 I dí: Aj, já jsem se již sstaral, a nevím dne smrti své. 3 Protož nyní vezmi medle nástroje své, toul svůj a lučičtě své, a vyjda do pole, ulov mi zvěřinu. 4 A přistroj mi krmí chutnou, jakž já rád jídám, a přines mi, a budu jísti, aťby požehnala duše má, prvé než umru. 5 (Slyšela pak Rebeka, když mluvil Izák s Ezau synem svým.) I odšel Ezau na pole, aby ulovil zvěřinu a přinesl. 6 Tedy řekla Rebeka Jákobovi synu svému takto: Aj, slyšela jsem, když otec tvůj mluvil k Ezau bratru tvému, a pravil: 7 Přines mi něco z lovu, a přistroj mi krmě chutné, abych jedl, a požehnámt' před Íóúem, prvé než umru. 8 Nyní tedy, synu můj, poslechni hlasu mého v tom, což já přikazuji tobě. 9 Jdi medle k stádu, a odtud mi vezmi dva kozelce výborné, abych přistrojila z nich krmě chutné otci tvému, jakž on rád jídá. 10 A přineseš otci svému, a on jísti bude, na to, aby požehnal tobě, prvé než umře. 11 I řekl Jákob Rebece matce své: Víš, že Ezau bratr můj jest člověk chlupatý, a já jsem člověk hladký. 12 Jestliže omaká mne otec můj, tedy zůstanu u něho za podvodného; a tak uvedu na sebe zlořečenství, a ne požehnání. 13 Jemužto odpověděla matka: Necht' jest na mne zlořečenství tvé, synu můj; jen ty poslechni hlasu mého, a jdi, přines mi. 14 Tedy odšel, vzal, a přinesl matce své. I připravila matka jeho krmě chutné, jakž otec jeho rád jídal. 15 A vzala Rebeka nejlepší šaty Ezausyna svého staršího, kteréž měla u sebe v domě, a oblékla Jákoba, syna svého mladšího. 16 A kožkami kozelčími obvinula ruce jeho, a díl hladký hrdla jeho. 17 I dala chléb a krmě chutné, kteréž připravila, v ruce Jákoba syna svého. 18 A on přišed k otci svému, řekl: Otče můj! Kterýžto odpověděl: Aj, teď jsem. Kdož jsi ty, synu můj? 19 I dí Jákob otci svému: Já jsem Ezau, prvorozený tvůj. Učinil jsem, jakž jsi mi poručil. Vstaň, prosím, sedni a jez z lovu mého, aby mi požehnala duše tvá. 20 Tedy řekl Izák synu svému: Což to? Brzys to nalezl, synu můj. A on dí: Nebo Íóúó Bůh tvůj způsobil to, aby mi se pojednou nahodilo. 21 I řekl Izák Jákobovi: Přistupiž, ať omakám tě, synu můj, ty-li jsi syn můj Ezau, či nejsi. 22 Tedy přistoupil Jákob k Izákovi otci svému; a on omakal ho, i řekl: Hlas jest hlas Jákobův, ale ruce tyto ruce Ezau. 23 A nepoznal ho; nebo byly ruce jeho, jako ruce Ezau bratra jeho, chlupaté. I požehnal mu. 24 A řekl: Ty-liž jsi pak syn můj Ezau? Odpověděl: Já. 25 I řekl: Podejž mi, ať jím z lovu syna svého, aby tobě požehnala duše má. Tedy podal mu, a on jedl. Přinesl mu také vína, a on pil. 26 I řekl jemu Izák otec jeho: Přistupiž nyní, a polib mne, synu můj. 27 I přistoupil a políbil ho. A jakž ucítil Izák vůni roucha jeho, požehnal mu, řka: Pohled', vůně syna mého jest jako vůně pole, jemuž požehnal Íóúó. 28 Dejž tobě Bůh z rosy nebeské, a z tučnosti zemské, i hojnost obilí a vína. 29 Nechažť slouží tobě lidé, a sklánějí se před tebou národové. Budiž pánem bratří svých, a ať se sklánějí před tebou synové matky tvé. Kdož by zlořečili tobě, necht' jsou zlořečení, a kdo by dobrořečili tobě, požehnání. 30 A když přestal Izák požehnání dávati Jákobovi, a sotva že vyšel Jákob od Izáka otce svého, Ezau bratr jeho přišel z lovu svého. 31 A připraviv i on krmě chutné, přinesl otci svému a řekl mu: Nechžť vstane otec můj, a jí z lovu syna svého, aby mi požehnala duše tvá. 32 I řekl jemu Izák otec jeho: Kdo jsi ty? Dí on: Já jsem syn tvůj, prvorozený tvůj Ezau. 33 Tedy zhrozil se Izák hrůzou velikou náramně, a řekl: Kdo pak a kde jest ten, ješto uloviv zvěřinu, přinesl mi? A já jsem jedl ze všeho, prvé než jsi ty přišel, a požehnal jsem mu, a budeť požehnaným. 34 Uslyšev Ezau slova otce svého, zkríkl hlasem velikým, a hořkostí naplněn jest náramně, a řekl otci svému: Požehnejž mně, i mně také, můj otče! 35 Kterýžto řekl: Přišel bratr tvůj podvodně a uchvátil požehnání tvé. 36 Tedy řekl: Právěť nazváno jméno jeho Jákob; nebo již po dvakráte mne podvedl, prvorozenství mé odjal, a teď nyní uchvátil požehnání mé. Řekl ještě: Zdali jsi nezachoval i mně požehnání? 37 Odpověděl Izák a řekl k Ezau: Aj, ustavil jsem ho pánem nad tebou, a všechny bratří jeho dal jsem mu za služebníky; obilím také a vínem opatřil jsem ho. Což tedy již tobě učiniti mohu, synu můj? 38 I řekl Ezau otci svému: Zdaliž to jedno toliko máš požehnání, otče můj? Požehnejž mně, i mně také, můj otče! I povýšil Ezau hlasu svého a plakal. 39 Tedy odpověděl Izák otec jeho, a řekl k němu: Aj, v tučnostech země bude bydlení tvé a v rose nebeské s hůry;

## I. Genesis 29:4-35

### Dutch (Nederlands)<sup>1</sup>

#### Genesis 29:4-35

4 Toen zeide Jakob tot hen: Mijn broeders! van waar zijt gij? En zij zeiden: Wij zijn van Haran. 5 En hij zeide tot hen: Kent gij Laban, den zoon van Nahor? En zij zeiden: Wij kennen hem. 6 Voorts zeide hij tot hen: Is het wel met hem? En zij zeiden: Het is wel; en zie, Rachel, zijn dochter, komt met de schapen. 7 En hij zeide: Ziet, het is nog hoog dag, het is geen tijd, dat het vee verzameld worde; drinkt de schapen, en gaat heen, weidt dezelve. 8 Toen zeiden zij: Wij kunnen niet, totdat al de kudden samen zullen vergaderd zijn, en dat men den steen van den mond des puts afwentele, opdat wij de schapen drenken. 9 Als hij nog met hen sprak, zo kwam Rachel met de schapen, die haar vader toebehoorden; want zij was een herderin. 10 En het geschiedde, als Jakob Rachel zag, de dochter van Laban, zijner moeders broeder, en de schapen van Laban, zijner moeders broeder, dat Jakob toetrad, en wentelde den steen van den mond des puts, en drenkte de schapen van Laban, zijner moeders broeder. 11 En Jakob kuste Rachel; en hij hief zijn stem op en weende. 12 En Jakob gaf Rachel te kennen, dat hij een broeder van haar vader, en dat hij de zoon van Rebekka was. Toen liep zij heen, en gaf het aan haar vader te kennen. 13 En het geschiedde, als Laban die tijding hoorde van Jakob, zijner zusters zoon, zo liep hij hem tegemoet, en omhelsde hem, en kuste hem, en bracht hem tot zijn huis. En hij vertelde Laban al deze dingen. 14 Toen zeide Laban tot hem: Voorwaar, gij zijt mijn gebeente en mijn vlees! En hij bleef bij hem een volle maand. 15 Daarna zeide Laban tot Jakob: Omdat gij mijn broeder zijt, zoudt gij mij derhalve om niet dienen? verklaar mij, wat zal uw loon zijn? 16 En Laban had twee dochters: de naam der grootste was Lea; en de naam der kleinste was Rachel. 17 Doch Lea had tedere ogen; maar Rachel was schoon van gedaante, en schoon van aangezicht. 18 En Jakob had Rachel lief; en hij zeide: Ik zal u zeven jaren dienen, om Rachel, uw kleinste dochter. 19 Toen zeide Laban: Het is beter, dat ik haar aan u geve, dan dat ik haar aan een anderen man geve; blijf bij mij. 20 Alzo diende Jakob om Rachel zeven jaren; en die waren in zijn ogen als enige dagen, omdat hij haar liefhad. 21 Toen zeide Jakob tot Laban: Geef mijn huisvrouw, want mijn dagen zijn vervuld, dat ik tot haar inga. 22 Zo verzamelde Laban al de mannen dier plaats, en maakte een maaltijd. 23 En het geschiedde des avonds, dat hij zijn dochter Lea nam, en bracht haar tot hem; en hij ging tot haar in. 24 En Laban gaf haar Zilpa, zijn dienstmaagd, aan Lea, zijn dochter, tot een dienstmaagd. 25 En het geschiedde des morgens, en ziet, het was Lea. Daarom zeide hij tot Laban: Wat is dit, dat gij mij gedaan hebt; heb ik niet bij u gediend om Rachel? waarom hebt gij mij dan bedrogen? 26 En Laban zeide: Men doet alzo niet te dezer onzer plaatse, dat men de kleinste uitgeve voor de eerstgeborene. 27 Vervul de week van deze; dan zullen wij u ook die geven, voor den dienst, dien gij nog andere zeven jaren bij mij dienen zult. 28 En Jakob deed alzo; en hij vervulde de week van deze. Toen gaf hij hem Rachel, zijn dochter, hem tot een vrouw. 29 En Laban gaf aan zijn dochter Rachel zijn dienstmaagd Bilha, haar tot een dienstmaagd. 30 En hij ging ook in tot Rachel, en had ook Rachel liever dan Lea; en hij diende bij hem nog andere zeven jaren. 31 Toen nu Iouo zag, dat Lea gehaat was, opende Hij haar baarmoeder; maar Rachel was onvruchtbaar. 32 En Lea werd bevrucht, en baarde een zoon, en zij noemde zijn naam Ruben; want zij zeide: Omdat Iouo mijn verdrukking heeft aangezien, daarom zal mijn man mij nu liefhebben. 33 En zij werd wederom bevrucht, en baarde een zoon, en zeide: Dewijl Iouo gehoord heeft, dat ik gehaat was, zo heeft Hij mij ook dezen gegeven; en zij noemde zijn naam Simeon. 34 En zij werd nog bevrucht, en baarde een zoon, en zeide: Nu zal zich ditmaal mijn man bij mij voegen, dewijl ik hem drie zonen gebaard heb; daarom noemde zij zijn naam Levi. 35 En zij werd wederom bevrucht, en baarde een zoon, en zeide: Ditmaal zal ik Iouo loven; daarom noemde zij zijn naam Juda. En zij hield op van baren.

## J. Genesis 32:23-32 and Genesis 35:1-12 and Genesis 49:1-28

### Hungarian<sup>J</sup>

#### 1 Mózes 32:23-32

23 Vevé hát azokat és átköltözteté a vizen, azután átköltözteté mindenét valamije vala. 24 Jákób pedig egyedül marada és tusakodik vala ő vele egy férfiú, egész a hajnal feljövételéig. 25 Aki mikor látá, hogy nem vehet rajta erőt, megilleté csípőjének forgócsontját, és kiméne helyéből Jákób csípőjének forgócsontja a vele való tusakodás közben. 26 És monda: Bocsáss el engem, mert feljött a hajnal. És monda [Jákób]: Nem bocsátlak el téged, míg meg nem áldasz engemet. 27 És monda néki: Mi a te neved? És ő monda: Jákób. 28 Amaz pedig monda: Nem Jákóbnak mondatik ezután a te neved, hanem Izráelnek; mert küzdöttél Istennel és emberekkel, és győztél. 29 És megkérde Jákób, és monda: Mondd meg, kérlek, a te nevedet. Az pedig monda: Ugyan miért kérde az én nevemet? És megáldá őt ott. 30 Nevezé azért Jákób annak a helynek nevét Peniélnek: mert látám az Istent színről színre, és megszabadult az én lelkem. 31 És a nap felkél vala rajta, amint elméne Peniél mellett, ő pedig sántít vala csípőjére. 32 Azért nem eszik Izráel fiai a csípő forgócsontjának inahúsát mind e mai napig, mivelhogy illetve vala Jákób csípője forgócsontjának inahúsa.

#### 1 Mózes 35:1-12

**35** Monda pedig az Isten Jákóbnak: Kelj fel, eredj fel Béthelbe és telepedjél le ott; és csinálj ott oltárt amaz Istennek, ki megjelenék néked, mikor a te bátyád Ézsau előtt futsz vala. 2 Akkor monda Jákób az ő házanépének, és mind azoknak, kik vele valának: Hányjátok el az idegen isteneket, kik köztetek vannak, és tisztítsátok meg magatokat, és változtassátok el öltözeteket. 3 És keljünk fel, és menjünk fel Béthelbe, hogy csináljak ott oltárt annak az Istennek, ki meghallgatott engem az én nyomorúságom napján, és velem volt az úton, a melyen jártam. 4 Átadák azért Jákóbnak mind az idegen isteneket, kik nálok valának, és füleikből a függőket, és elásá azokat Jákób a cserfa alatt, mely Sekhem mellett vala. 5 És elindulának. De Istennek rettentése vala a körültek való városokon, és nem üldözék a Jákób fiait. 6 Eljuta azért Jákób Lúzba, mely Kanaán földén van, azaz Béthelbe, ő maga és az egész sokaság, mely ő vele vala. 7 És építe ott oltárt, és nevezé a helyet Él-Béthelnek, mivelhogy ott jelent meg néki az Isten, mikor az ő bátyja előtt fut vala. 8 És meghala Débora, a Rebeka dajkája, és eltemeték Béthelen alól egy cserfa alatt, és nevezék annak nevét Allon-Bákhutnak. 9 Az Isten pedig ismét megjelenék Jákóbnak, mikor ez jöve Mésopotámiából, és megáldá őt. 10 És monda néki az Isten: A te neved Jákób; de ne nevezessék többé a te neved Jákóbnak, hanem Izráel légyen neved. És nevezé nevét Izráelnek. 11 És monda néki az Isten: Én [vagyok] a mindenható Isten, neveddjél és sokasodjál, nép és népek sokasága légyen te tőled; és királyok származzanak a te ágyékdoból. 12 És a földet, melyet adtam Ábrahámnak és Izsáknak, néked adom azt, utánad pedig a te magodnak adom a földet.

#### 1 Mózes 49:1-28

**49** És szólítá Jákób az ő fiait, és monda: Gyűljetek egybe, hadd jelentsem meg néktek, a mi rátok következik a messze jövőben. 2 Gyűljetek össze s hallgassatok Jákóbnak fiai! hallgassatok Izráelre, a ti atyátokra. 3 Rúben, te elsősülöttem, erőm, tehetségem zsengeje, első a méltóságban, első a hatalomban. 4 Állhatatlan, mint a víz, nem leszesz első, mivel atyád ágyába léptél fel: akkor megfertőztetted! Nyoszolyámba lépett ő. 5 Simeon és Lévi atyafiak, erőszak eszközei az ő fegyverök. 6 Tanácsukban ne légyen részes lelkem, gyűlésükkel ne egyesüljön dicsőségem, mert haragiokban férfit öltek, s kedvök telve inát szegték az ökörnek. 7 Átkozott haragiok, mert erőszakos, és dühök, mivel kegyetlen; eloszlatom őket Jákóbban, és elszélesztem Izráelben. 8 Júda! téged magasztalnak atyádfiai, kezéd ellenségeidnek nyakán lesz s meghajolnak előtted atyáidnak fiai. 9 Oroszlánkölyök Júda; zsákmányt ejtvén, felmentél, fiam! Lehevert, lenyúgodott, mint a hím oroszlán, és mint nőstény oroszlán; ki veri őt fel? 10 Nem múlik el Júdától a fejedelmi bot, sem a vezéri pálcza térdei közül; míg eljő Siló, és a népek néki engednek. 11 Szőlőtőhöz köti szamarát, és nemes venyigéhez szamara vemhét, ruháját borban mossa, felöltöjtét a szőlő vérében. 12 Bortól veresek szemei, tejtől fehérek fogai. 13 Zebulon a tenger partjáig lakozik, azaz a hajók kikötőjéig s határanak széle Czídonig ér. 14 Izsakhár erős csontú számár, a karámok közt heverész. 15 S látja, hogy jó a nyugalom és hogy a föld mily kies: teher alá hajtja hátát, s robotoló szolgává lesz. 16 Dán ítéli az ő népét, mint Izráel akármelyik nemzetsége. 17 Dán kígyó lesz az úton, szarvaskígyó az ösvényen, mely a ló körmébe

harap, hogy lovagja hanyatt esik. 18 Szabadításodra várok oh Iouo! 19 Gád! had háborgatja; majd ő hág annak sarkába. 20 Ásernek kenyere kövér, királyi csemegét szolgáltat. 21 Nafthali, gyorslábú szarvas, az ő beszéde kedves. 22 Termékeny fa József, termő ág a forrás mellett, ágazata meghaladja a kőfalat. 23 Keserítik, lövöldözik és üldözik a nyilazók: 24 De mereven marad kézíve, feszülten keze karjai, Jákób Hatalmasának kezétől, onnan, Izráel pásztorától, kösziklájától. 25 Atyád Istenétől, a ki segít; a mindenhatótól, a ki megáldjon, az ég áldásaival, onnan felülről, a mélység áldásaival, mely alatt terül, az emlők és anyaméh áldásaival. 26 Atyád áldásai meghaladják az ős hegyek áldásait, az örök halmok kiességeit. Szálljanak József fejére, a testvérek közül kiválasztatottnak koponyájára. 27 Benjámín ragadozó farkas: reggel ragadományt eszik, este pedig zsákmányt oszt. 28 Mind ezek Izráel nemzetségei, tizenketten, és ez az a mit mondott nekik az ő atyjok, mikor őket megáldá; mindeniket tulajdon áldásával áldá meg.

## **K. Exodus 3:1-20**

### **Latin (lingua latina)<sup>k</sup>**

#### **Exodus 3:1-20**

**3** Moses autem pascebat oves Iethro cognati sui sacerdotis Madian cumque minasset gregem ad interiora deserti venit ad montem Dei Horeb **2** apparuitque ei Iouo in flamma ignis de medio rubi et videbat quod rubus arderet et non combureretur **3** dixit ergo Moses vadam et videbo visionem hanc magnam quare non comburatur rubus **4** cernens autem Iouo quod pergeret ad videndum vocavit eum de medio rubi et ait Moses Moses qui respondit adsum **5** at ille ne adpropies inquit huc solve calciamentum de pedibus tuis locus enim in quo stas terra sancta est **6** et ait ego sum Deus patris tui Deus Abraham Deus Isaac Deus Iacob abscondit Moses faciem suam non enim audebat aspicere contra Deum **7** cui ait Iouo vidi adflictionem populi mei in Aegypto et clamorem eius audiui propter duritiam eorum qui praesunt operibus **8** et sciens dolorem eius descendi ut liberarem eum de manibus Aegyptiorum et educerem de terra illa in terram bonam et spatiosam in terram quae fluit lacte et melle ad loca Chananei et Hetthei et Amorrei Ferezei et Evei et Iebusei **9** clamor ergo filiorum Israhel venit ad me vidique adflictionem eorum qua ab Aegyptiis opprimuntur **10** sed veni mittam te ad Pharaonem ut educas populum meum filios Israhel de Aegypto **11** dixit Moses ad Deum quis ego sum ut vadam ad Pharaonem et educam filios Israhel de Aegypto **12** qui dixit ei ero tecum et hoc habebis signum quod miserim te cum eduxeris populum de Aegypto immolabis Deo super montem istum **13** ait Moses ad Deum ecce ego vadam ad filios Israhel et dicam eis Deus patrum vestrorum misit me ad vos si dixerint mihi quod est nomen eius quid dicam eis **14** dixit Deus ad Mosen ego sum qui sum ait sic dices filiis Israhel qui est misit me ad vos **15** dixitque iterum Deus ad Mosen haec dices filiis Israhel Iouo Deus patrum vestrorum Deus Abraham Deus Isaac et Deus Iacob misit me ad vos hoc nomen mihi est in aeternum et hoc memoriale meum in generationem et generatione **16** vade congrega seniores Israhel et dices ad eos Iouo Deus patrum vestrorum apparuit mihi Deus Abraham et Deus Isaac et Deus Iacob dicens visitans visitavi vos et omnia quae acciderunt vobis in Aegypto **17** et dixi ut educam vos de adflictione Aegypti in terram Chananei et Hetthei et Amorrei Ferezei et Evei et Iebusei ad terram fluentem lacte et melle **18** et audient vocem tuam ingredierisque tu et seniores Israhel ad regem Aegypti et dices ad eum Iouo Deus Hebraeorum vocavit nos ibimus viam trium dierum per solitudinem ut immolemus Iouo Deo nostro **19** sed ego scio quod non dimittet vos rex Aegypti ut eati nisi per manum validam **20** extendam enim manum meam et percutiam Aegyptum in cunctis mirabilibus meis quae facturus sum in medio eorum post haec dimittet vos

## L. Exodus 40:1-34

### Swedish (Svenska)<sup>1</sup>

#### 2 Mosebok 40:1-34

**40** Och Iouo talade till Mose och sade: 2 »När den första månaden ingår, skall du på första dagen i månaden uppsätta uppenbarelsetältets tabernakel. 3 Och du skall däri sätta vittnesbördets ark och hänga förlåten framför arken. 4 Och du skall föra bordet ditin och lägga upp på detta vad där skall vara upplagt; och du skall föra ditin ljusstaken och sätta upp lamporna på den. 5 Och du skall ställa det gyllene rökelsealtaret framför vittnesbördets ark; och du skall sätta upp förhänget för ingången till tabernaklet. 6 Och brännoffersaltaret skall du ställa framför ingången till uppenbarelsetältets tabernakel. 7 Och du skall ställa bäckenet mellan uppenbarelsetältet och altaret och gjuta vatten däri. 8 Och du skall sätta upp förgårdshägnaden runt omkring och hänga upp förhänget för porten till förgården. 9 Och du skall taga smörjelseoljan och smörja tabernaklet och allt vad däri är och helga det jämte alla dess tillbehör, så att det bliver heligt. 10 Du skall ock smörja brännoffersaltaret jämte alla dess tillbehör och helga altaret; så bliver altaret högheligt. 11 Du skall ock smörja bäckenet jämte dess fotställning och helga det. 12 Därefter skall du föra Aron och hans söner fram till uppenbarelsetältets ingång och två dem med vatten. 13 Och du skall sätta på Aron del heliga kläderna, och smörja honom och helga honom till att bliva präst åt mig. 14 Och du skall föra fram hans söner och sätta livklädnader på dem. 15 Och du skall smörja dem, såsom du smorde deras fader, till att bliva präster åt mig. Så skall denna deras smörjelse bliva för dem en invigning till ett evärdligt prästadöme, släkte efter släkte. 16 Och Mose gjorde detta; han gjorde i alla stycken såsom Iouo hade bjudit honom. 17 Så blev då tabernaklet uppsatt i första månaden av andra året, på första dagen i månaden. 18 Då satte Mose upp tabernaklet. Han lade ut dess fotstycken, ställde fast dess bräder, sköt in dess tvärstänger och satte upp dess stolpar. 19 Och han bredde täcket över tabernaklet och lade ovanpå täcket dess överdrag allt såsom Iouo hade bjudit Mose. 20 Och han tog vittnesbördet och lade det in i arken och satte stängerna på arken; och han satte nådstolen ovanpå arken. 21 Sedan förde han arken in i tabernaklet och satte upp förlåten som skulle hänga framför arken, och hängde så för vittnesbördets ark, allt såsom Iouo hade bjudit Mose. 22 Och han satte bordet i uppenbarelsetältet, vid tabernaklets norra sida, utanför förlåten, 23 och lade upp på detta de bröd som skulle vara upplagda inför Iouos ansikte, allt såsom Iouo hade bjudit Mose. 24 Och han ställde ljusstaken in i uppenbarelsetältet, mitt emot bordet, på tabernaklets södra sida, 25 och satte upp lamporna inför Iouos ansikte, såsom Iouo hade bjudit Mose. 26 Och han ställde det gyllene altaret in i uppenbarelsetältet, framför förlåten, 27 och antände välluktande rökelse därpå, såsom Iouo hade bjudit Mose. 28 Och han satte upp förhänget för ingången till tabernaklet. 29 Och brännoffersaltaret ställde han vid ingången till uppenbarelsetältets tabernakel och offrade brännoffer och spisoffer därpå, såsom Iouo hade bjudit Mose. 30 Och han ställde bäckenet mellan uppenbarelsetältet och altaret och göt vatten till tvagning däri. 31 Och Mose och Aron och hans söner tvådde sedermera sina händer och fötter med vatten därur; 32 så ofta de skulle gå in i uppenbarelsetältet eller träda fram till altaret, tvådde de sig, såsom Iouo hade bjudit Mose. 33 Och han satte upp förgårdshägnaden runt omkring tabernaklet och altaret, och hängde upp förhänget för porten till förgården. Så fullbordade Mose allt arbetet. 34 Då övertäckte molnskyn uppenbarelsetältet, och Iouos härlighet uppfyllde tabernaklet;

Tamil (தமிழ்)<sup>m</sup>

லேவியராகமம் 25:1-46

25 இஓஉஓ சீனாய்மலையில் மோசேயை நோக்கி: 2 நீ இஸ்ரவேல் புத்திரரோடே சொல்லவேண்டியது என்னவென்றால்: நான் உங்களுக்குக் கொடுக்கும் தேசத்திலே நீங்கள் போய்ச் சேர்ந்திருக்கும்போது, தேசம் கர்த்தருக்கென்று ஓய்வு கொண்டாடவேண்டும். 3 ஆறு வருஷம் உன் வயலை விதைத்து, உன் திராட்சத்தோட்டத்தைக் கிளைகழித்து, அதின் பலனைச் சேர்ப்பாயாக. 4 ஏழாம் வருஷத்திலோ, இஓஉஓவுக்கென்று ஓய்ந்திருக்கும் ஓய்வு தேசத்திற்கு இருக்கவேண்டும்; அதில் உன் வயலை விதைக்காமலும் உன் திராட்சத்தோட்டத்தைக் கிளைகழிக்காமலும், 5 தானாய் விளைந்து பயிரானதை அறுக்காமலும், கிளைகழிக்காதேவிட்ட திராட்சச்செடியின் பழங்களைச் சேர்க்காமலும் இருப்பாயாக; தேசத்துக்கு அது ஒரு ஓய்வுவருஷமாயிருக்கக்கடவது. 6 தேசத்தின் ஓய்விலே பயிராகிறது உங்களுக்கு ஆகாரமாயிருப்பதாக; உன் வேலைக்காரனுக்கும், உன் வேலைக்காரிக்கும், உன் கூலிக்காரனுக்கும், உன்னிடத்தில் தங்குகிற அந்நியனுக்கும், 7 உன் நாட்டு மிருகத்துக்கும், உன் தேசத்தில் இருக்கிற காட்டு மிருகத்துக்கும் அதில் விளைந்திருப்பதெல்லாம் ஆகாரமாயிருப்பதாக. 8 அன்றியும், ஏழு ஓய்வு வருஷங்களுள்ள ஏழு ஏழு வருஷங்களை எண்ணுவாயாக; அந்த ஏழு ஓய்வு வருஷங்களும் நாற்பத்தொன்பது வருஷமாகும். 9 அப்பொழுதும் ஏழாம் மாதம் பத்தாந்தேதியில் எக்காளச்சத்தம் தொனிக்கும்படி செய்யவேண்டும்; பாவநிவாரணநாளில் உங்கள் தேசமெங்கும் எக்காளச்சத்தம் தொனிக்கும்படி செய்யவேண்டும். 10 ஐம்பதாம் வருஷத்தைப் பரிசுத்தமாக்கி, தேசமெங்கும் அதின் குடிகளுக்கெல்லாம் விடுதலை கூறக்கடவீர்கள்; அது உங்களுக்கு யூபிலி வருஷமாயிருப்பதாக; அதிலே உங்களில் ஒவ்வொருவனும் தன் தன் காணியாட்சிக்கும் தன் தன் குடும்பத்துக்கும் திரும்பிப் போகக்கடவன். 11 அந்த ஐம்பதாம் வருஷம் உங்களுக்கு யூபிலி வருஷமாயிருப்பதாக; அதிலே விதைக்காமலும், தானாய் விளைந்து பயிரானதை அறுக்காமலும், கிளைகழிக்காமல் விடப்பட்ட திராட்சச் செடியின் பழங்களைச் சேர்க்காமலும் இருப்பீர்களாக. 12 அது யூபிலி வருஷம்; அது உங்களுக்குப் பரிசுத்தமாயிருக்கவேண்டும்; அந்த வருஷத்தில் வயல்வெளியில் விளைந்தவைகளை நீங்கள் புசிக்கவேண்டும். 13 அந்த யூபிலி வருஷத்தில் உங்களில் அவனவன் தன் தன் காணியாட்சிக்குத் திரும்பிப்போகக்கடவன். 14 ஆகையால், பிறனுக்கு எதையாவது விற்றாலும், அவனிடத்தில் எதையாவது கொண்டாலும் ஒருவருக்கொருவர் அநியாயம் செய்யக் கூடாது. 15 யூபிலி வருஷத்துக்குப் பின்வரும் வருஷங்களின் தொகைக்கேற்கப் பிறனிடத்தில் கொள்ளுவாயாக; பலனுள்ள வருஷங்களின்

தொகைக்கேற்க அவன் உனக்கு விற்பானாக. 16 பலனுள்ள வருஷங்களின் இலக்கத்தைப் பார்த்து அவன் உனக்கு விற்கிறபடியால், வருஷங்களின் தொகை ஏறினால் விலையேறவும், வருஷங்களின் தொகை குறைந்தால், விலை குறையவும்வேண்டும். 17 உங்களில் ஒருவனும் பிறனுக்கு அநியாயஞ்செய்யக் கூடாது; உன் தேவனுக்குப் பயப்படவேண்டும்; நான் உங்கள் தேவனாகிய இஓஉஓ. 18 என் கட்டளைகளின்படி செய்து, என் நியாயங்களைக் கைக்கொண்டு அவைகளின்படி நடக்கக்கடவீர்கள்; அப்பொழுது தேசத்திலே சுகமாய்க்குடியிருப்பீர்கள். 19 பூமி தன் கனியைத்தரும்; நீங்கள் திருப்தியாகச் சாப்பிட்டு, அதில் சுகமாய்க் குடியிருப்பீர்கள். 20 ஏழாம் வருஷத்தில் எதைப் புசிப்போம்? நாங்கள் விதைக்காமலும், விளைந்ததைச் சேர்க்காமலும் இருக்கவேண்டுமே! என்று சொல்வீர்களானால், 21 நான் ஆறாம் வருஷத்தில் உங்களுக்கு ஆசீர்வாதத்தை அநுக்கிரகம்பண்ணுவேன்; அது உங்களுக்கு மூன்று வருஷத்தின் பலனைத்தரும். 22 நீங்கள் எட்டாம் வருஷத்திலே விதைத்து, ஒன்பதாம் வருஷம்மட்டும் பழைய பலனிலே சாப்பிடுவீர்கள்; அதின் பலன் விளையும்வரைக்கும் பழைய பலனைச் சாப்பிடுவீர்கள். 23 தேசம் என்னுடையதாயிருக்கிறபடியால், நீங்கள் நிலங்களை அறுதியாய் விற்கவேண்டாம்; நீங்கள் பரதேசிகளும் என்னிடத்தில் புறக்குடிகளுமாயிருக்கிறீர்கள். 24 உங்கள் காணியாட்சியான தேசமெங்கும் நிலங்களை மீட்டுக்கொள்ள இடங்கொடுக்கக்கடவீர்கள். 25 உங்கள் சகோதரன் தரித்திரப்பட்டு, தன் காணியாட்சியிலே சிலதை விற்றால், அவன் இனத்தான் ஒருவன் வந்து, தன் சகோதரன் விற்றதை மீட்கக்கடவன். 26 அதை மீட்க ஒருவனும் இல்லாமல், தானே அதை மீட்கத்தக்கவனானால், 27 அதை விற்றபின் சென்ற வருஷங்களின் தொகையைத் தள்ளி, மீந்த தொகையை ஏற்றி, கொண்டவனுக்குக் கொடுத்து, அவன் தன் காணியாட்சிக்குத் திரும்பிப்போகக்கடவன். 28 அப்படிக் கொடுப்பதற்கான நிர்வாகம் அவனுக்கு இல்லாவிட்டால், அவன் விற்றது வாங்கினவன் கையிலே யூபிலி வருஷம்மட்டும் இருந்து, யூபிலி வருஷத்திலே அது விடுதலையாகும்; அப்பொழுது அவன் தன் காணியாட்சிக்குத் திரும்பிப்போவான். 29 ஒருவன் மதில்சூழ்ந்த பட்டணத்திலுள்ள தன் வாசஸ்தலமாகிய வீட்டை விற்றால், அதை விற்ற ஒரு வருஷத்துக்குள் அதை மீட்டுக்கொள்ளலாம்; ஒரு வருஷத்துக்குள்ளாகவே அதை மீட்டுக்கொள்ளவேண்டும். 30 ஒரு வருஷத்துக்குள்ளே அதை மீட்டுக்கொள்ளாதிருந்தால், மதில்சூழ்ந்த பட்டணத்திலுள்ள அந்த வீடு தலைமுறைதோறும் அதை வாங்கினவனுக்கே உரியதாகும்; யூபிலி வருஷத்திலும் அது விடுதலையாகாது. 31 மதில் சூழப்படாத கிராமங்களிலுள்ள வீடுகளோ, தேசத்தின் நிலங்கள் போலவே எண்ணப்படும்; அவைகள் மீட்கப்படலாம்; யூபிலி வருஷத்தில் அவைகள் விடுதலையாகும். 32 லேவியரின் காணியாட்சியாகிய பட்டணங்களிலுள்ள வீடுகளையோ லேவியர்



எக்காலத்திலும் மீட்டுக்கொள்ளலாம். 33 இஸ்ரவேல் புத்திரருக்குள்ளே  
லேவியருடைய பட்டணங்களிலுள்ள வீடுகள் அவர்களுக்குரிய  
காணியாட்சியானபடியால், லேவியரிடத்தில் அவனுடைய  
காணியாட்சிப்பட்டணத்திலுள்ள வீட்டை ஒருவன் வாங்கினால், விற்கப்பட்ட  
அந்த வீடு யூபிலி வருஷத்தில் விடுதலையாகும். 34 அவர்கள்  
பட்டணங்களைச் சூழ்ந்த வெளிநிலம் விற்கப்படலாகாது; அது அவர்களுக்கு  
நித்திய காணியாட்சியாயிருக்கும். 35 உன் சகோதரன் தரித்திரப்பட்டு,  
கையிளைத்துப்போனவனானால், அவனை ஆதரிக்கவேண்டும்;  
பரதேசியைப்போலும் தங்கவந்தவனைப்போலும் அவன் உன்னோடே  
பிழைப்பானாக. 36 நீ அவன் கையில் வட்டியாவது பொலிசையாவது  
வாங்காமல், உன் தேவனுக்குப் பயந்து, உன் சகோதரன் உன்னோடே  
பிழைக்கும்படி செய்வாயாக. 37 அவனுக்கு உன் பணத்தை வட்டிக்கும், உன்  
தானியத்தைப் பொலிசைக்கும் கொடாயாக. 38 உங்களுக்குக் கானான்  
தேசத்தைக் கொடுத்து, உங்களுக்கு தேவனாயிருக்கும்படி, உங்களை  
எகிப்துதேசத்திலிருந்து புறப்படப்பண்ணின உங்கள் தேவனாகிய இஓஉஓ  
நானே. 39 உன் சகோதரன் தரித்திரனாகி, உனக்கு விலைப்பட்டுப்போனால்,  
அவனை அடிமையைப்போல ஊழியஞ்செய்ய நெருக்கவேண்டாம்.  
40 அவன் கூலிக்காரனைப்போலவும் தங்கவந்தவனைப்போலவும்  
உன்னோடே இருந்து, யூபிலி வருஷம்மட்டும் உன்னிடத்தில்  
சேவிக்கக்கடவன். 41 பின்பு, தன் பிள்ளைகளோடுங்கூட உன்னை விட்டு  
நீங்கலாகி, தன் குடும்பத்தாரிடத்துக்கும் தன் பிதாக்களின் காணியாட்சிக்கும்  
திரும்பிப்போகக்கடவன். 42 அவர்கள் நான் எகிப்துதேசத்திலிருந்து  
புறப்படப்பண்ணின என்னுடைய ஊழியக்காரர்; ஆகையால் அவர்கள்  
அடிமைகளாக விற்கப்படலாகாது. 43 நீ அவனைக் கொடுரமாய் ஆளாமல்  
உன் தேவனுக்குப் பயந்திரு. 44 உனக்கு இருக்கும் ஆண் அடிமையும் பெண்  
அடிமையும் சுற்றிலும் இருக்கிற புறஜாதிகளாயிருக்கவேண்டும்; அவர்களில்  
நீ ஆண் அடிமையையும் பெண் அடிமையையும் விலைக்கு வாங்கலாம்.  
45 உங்களிடத்திலே பரதேசிகளாய்த் தங்குகிற அந்நிய புத்திரரிலும், உங்கள்  
தேசத்தில் உங்களிடத்திலே பிறந்திருக்கிற அவர்களுடைய குடும்பத்தாரிலும்  
நீங்கள் உங்களுக்கு அடிமைகளைக் கொண்டு, அவர்களை உங்களுக்குச்  
சுதந்தரமாக்கலாம். 46 அவர்களை உங்களுக்குப் பின்வரும் உங்கள்  
சந்ததியாரும் சுதந்தரிக்கும்படி நீங்கள் அவர்களைச்  
சுதந்தரமாக்கிக்கொள்ளலாம்; என்றைக்கும் அவர்கள் உங்களுக்கு  
அடிமைகளாயிருக்கலாம்; உங்கள் சகோதரராகிய இஸ்ரவேல் புத்திரரோ  
ஒருவரையொருவர் கொடுரமாக ஆளக் கூடாது.

## **N. Numbers 6:22-27 Numbers 8:1-18**

### **Polish (Polski)<sup>n</sup>**

#### **Księga Liczb 6**

22 Potem rzekł Iouo do Mojżesza, mówiąc: 23 Mów do Aarona i do synów jego, a rzecz: Tak błogosławić będziecie synom Izraelskim, mówiąc do nich: 24 Niech ci błogosławi Iouo, a niechaj cię strzeże; 25 Niech rozjaśni Iouo oblicze swoje nad tobą, a niech ci miłościw będzie; 26 Niech obróci Iouo twarz swoją ku tobie, a niechaj ci da pokój. 27 I będą wzywać imienia mego nad synami Izraelskimi, a Ja im błogosławić będę.

#### **Księga Liczb 8**

**8** Potem Iouo rzekł do Mojżesza, mówiąc: 2 Powiedz Aaronowi, a rzecz mu: Gdy zapalisz lampy, siedem lamp przeciwko świecznikowi świecić będą. 3 I uczynił tak Aaron, a przeciwko świecznikowi zapalił lampy jego, jako był rozkazał Iouo Mojżeszowi. 4 A była robota świecznika z ciągnionego złota, i słupiec jego, i kwiaty jego ciągnione były; na ten kształt, jaki był Iouo ukazał Mojżeszowi, tak urobił świecznik. 5 Potem rzekł Iouo do Mojżesza, mówiąc: 6 Weźmij Lewity z pośród synów Izraelskich, a oczyść je. 7 A to uczynisz oczyszczając je: Pokropisz je wodą oczyszczenia; ciż ogolą brzytwą wszystko ciało swoje, a uprąwszy szaty swe, czystymi będą. 8 Potem wezmą cielca młodego, z ofiarą jego śniedną, mąki pszennej, zagniecionej z oliwą, a cielca młodego drugiego weźmiesz na ofiarę za grzech. 9 I przywiedziesz Lewity przed namiot zgromadzenia, a przyzowiesz wszystkiego zgromadzenia synów Izraelskich; 10 I postawisz Lewity przed Iouem, i włożą synowie Izraelscy ręce swe na Lewity; 11 I ofiarować będzie Aaron Lewity na ofiarę przed Iouem od synów Izraelskich, aby sprawowali posługi Ioua. 12 Lewitowie zaś będą kłaść ręce swe na głowy onych cielców, a ofiarować będziesz jednego za grzech, a drugiego na ofiarę całopalenia Iouowi ku oczyszczeniu Lewitów. 13 Potem postawisz Lewity przed Aaronem, i przed syny jego, a ofiarować je będziesz na ofiarę Iouowi. 14 I odłączysz Lewity z pośród synów Izraelskich, i będą moimi Lewitowie. 15 A potem przyjdą Lewitowie, aby służyli w namiocie zgromadzenia, gdy oczyścisz i poświęcisz je na ofiarę. 16 Albowiem właśnie oddani są mnie z pośród synów Izraelskich; za każde otwierające żywot, za każde pierworodne z synów Izraelskich obrałem je sobie, 17 Gdyż wszyscy pierworodni z synów Izraelskich moi są z ludzi i z bydła: ode dnia, którego pobił wszystkie pierworodne w ziemi Egipskiej, poświęciłem je sobie. 18 A przyjąłem Lewity miasto wszelkiego pierworodnego z synów Izraelskich.✠

## O. Numbers 11:16-30

### Korean (한국어)<sup>o</sup>

#### 민수기 11 장 16~30 절

16 이오우오께서 모세에게 이르시되 이스라엘 노인 중 백성의 장로와 유사되는 줄을 네가 아는 자 칠십인을 모아 데리고 회막 내 앞에 이르러 거기서 너와 함께 서게 하라 17 내가 강림하여 거기서 너와 말하고 네게 임한 신을 그들에게도 임하게 하리니 그들이 너와 함께 백성의 짐을 담당하고 너 혼자 지지 아니하리라 18 또 백성에게 이르기를 너희 몸을 거룩히 하여 내일 고기 먹기를 기다리라 너희가 울며 이르기를 누가 우리에게 고기를 주어 먹게할꼬 애굽에 있을 때가 우리에게 재미 있었다 하는 말이 이오우오께 들렸으므로 이오우오께서 너희에게 고기를 주어 먹게 하실 것이라 19 하루나 이틀이나 닷새나 열흘이나 이십일만 먹을 뿐 아니라 20 코에서 넘쳐서 싫어하기까지 일개월간을 먹게 하시리니 이는 너희가 너희 중에 거하시느 이오우오를 멸시하고 그 앞에서 울며 이르기를 우리가 어찌하여 애굽에서 나왔던고 함이라 하라 21 모세가 가로되 '나와 함께 있는 이 백성의 보행자가 육십 만명이온데 주의 말씀이 일개월간 고기를 주어 먹게 하겠다 하시오니 22 그들을 위하여 양떼와 소떼를 잡은들 족하오며 바다의 모든 고기를 모은들 족하오리이까?' 23 이오우오께서 모세에게 이르시되 이오우오의 손이 짧아졌느냐? 네가 이제 내 말이 네게 응하는 여부를 보리라 24 모세가 나가서 이오우오의 말씀을 백성에게 고하고 백성의 장로 칠십인을 모아 장막에 둘러 세우매 25 이오우오께서 구름 가운데 강림하시 모세에게 말씀하시고 그에게 임한 신을 칠십장로에게도 임하게 하시니 신이 임하신 때에 그들이 예언을 하다가 다시는 아니하였더라 26 그 녹명된 자 중 엘닷이라 하는 자와 메닷이라 하는 자 두 사람이 진에 머물고 회막에 나아가지 아니하였으나 그들에게도 신이 임하였으므로 진에서 예언한지라 27 한 소년이 달려와서 모세에게 고하여 가로되 '엘닷과 메닷이 진 중에서 예언하더이다' 하매 28 택한 자 중 한 사람 곧 모세를 섬기는 눈의 아들 여호수아가 말하여 가로되 '내 주 모세여 금하소서' 29 모세가 그에게 이르되 '네가 나를 위하여 시기하느냐? 이오우오께서 그 신을 그 모든 백성에게 주사 다 선지자 되게 하시기를 원하노라' 30 모세와 이스라엘 장로들이 진중으로 돌아왔더라

## **P. Joshua 1:1-15**

### **Portuguese (Português)<sup>P</sup>**

#### **Josué 1:1-15**

**1** Depois da morte de Moisés, servo de Iôuô, falou Iôuô a Josué, filho de Num, servidor de Moisés, dizendo: **2** Moisés, meu servo, é morto; levanta-te pois agora, passa este Jordão, tu e todo este povo, para a terra que eu dou aos filhos de Israel. **3** Todo lugar que pisar a planta do vosso pé, vo-lo dei, como eu disse a Moisés. **4** Desde o deserto e este Líbano, até o grande rio, o rio Eufrates, toda a terra dos heteus, e até o grande mar para o poente do sol, será o vosso termo. **5** Ninguém te poderá resistir todos os dias da tua vida. Como fui com Moisés, assim serei contigo; não te deixarei, nem te desampararei. **6** Esforça-te, e tem bom ânimo, porque tu farás a este povo herdar a terra que jurei a seus pais lhes daria. **7** Tão-somente esforça-te e tem mui bom ânimo, cuidando de fazer conforme toda a lei que meu servo Moisés te ordenou; não te desvies dela, nem para a direita nem para a esquerda, a fim de que sejas bem sucedido por onde quer que andares. **8** Não se aparte da tua boca o livro desta lei, antes medita nele dia e noite, para que tenhas cuidado de fazer conforme tudo quanto nele está escrito; porque então farás prosperar o teu caminho, e serás bem sucedido. **9** Não to mandei eu? Esforça-te, e tem bom ânimo; não te atemorizes, nem te espantes; porque Iôuô teu Deus está contigo, por onde quer que andares. **10** Então Josué deu esta ordem aos oficiais do povo: **11** Passai pelo meio do arraial, e ordenai ao povo, dizendo: Provede-vos de mantimentos, porque dentro de três dias haveis de atravessar este Jordão, a fim de que entreis para tomar posse da terra que Iôuô vosso Deus vos dá para a possuídes. **12** E disse Josué aos rubenitas, aos gaditas, e à meia tribo de Manassés: **13** Lembrai-vos da palavra que vos mandou Moisés, servo de Iôuô, dizendo: Iôuô vosso Deus vos dá descanso, e vos dá esta terra. **14** Vossas mulheres, vossos pequeninos e vosso gado fiquem na terra que Moisés vos deu desta banda do Jordão; porém vós, todos os homens valorosos, passareis armados adiante de vossos irmãos e os ajudareis; **15** até que Iôuô tenha dado descanso: a vossos irmãos, assim como vo-lo deu a vós, e eles também tenham possuído a terra que Iôuô vosso Deus lhes dá; então tornareis para a terra da vossa herança, e a possuireis, terra que Moisés, servo de Iôuô, vos deu além do Jordão, para o nascente do sol.

## Q. Judges 7:1-22

### Swahili (Kiswahili)<sup>9</sup>

#### Waamuzi 7:1-22

7 Kisha Yerubaali, yaani Gideoni, na watu wote waliokuwa pamoja naye wakaondoka na mapema, wakapiga kambi yao karibu na kijito cha Harodi; na kambi ya Midiani ilikuwa upande wao wa kaskazini, karibu na mlima wa More, bondeni. 2 Iouo akamwambia Gideoni, Watu hawa walio pamoja nawe ni wengi mno hata nikawatie Wamidiani katika mikono yao, wasije Israeli wakajivuna juu yangu wakisema, Mkono wangu mwenyewe ndio ulioniokoa. 3 Basi sasa enda, tangaza habari masikioni mwa watu hawa, na kusema, Mtu awaye yote anayeogopa na kutetemeka, na arudi aondoke katika mlima wa Gileadi. Ndipo watu ishirini na mbili elfu wakarudi katika watu hao, wakabaki watu elfu kumi. 4 Iouo akamwambia Gideoni; Hata sasa watu hawa ni wengi mno; uwalete chini majini, nami nitawajaribu huko kwa ajili yako; kisha itakuwa ya kwamba yule nitakayekuambia, Huyu atakwenda pamoja nawe, ndiye atakayekwenda pamoja nawe; na mtu yule nitakayekuambia, Huyu hatakwenda pamoja nawe, basi mtu huyo hatakwenda. 5 Basi akawaleta watu chini majini. Iouo akamwambia Gideoni, Kila mtu atakayeyaramba maji kwa ulimi wake, kama vile arambavyo mbwa, huyo utamweka kando; kadhalika kila mtu apigaye magoti kunywa. 6 Na hesabu ya hao waliokunywa kwa kuramba-ramba, wakipeleka mkono kinywani, ilikuwa watu mia tatu; bali watu wengine wote walipiga magoti kunywa maji. 7 Iouo akamwambia Gideoni, Kwa watu hawa mia tatu walioyaramba maji nitawaokoa, nami nitawatia Wamidiani katika mikono yako; lakini watu hawa wote wengine na waende zao, kila mtu mahali pake. 8 Basi wale watu wakachukua vyakula vyao mikononi mwao, na tarumbeta zao; naye akawapeleka watu wote wa Israeli, kila mtu hemani kwake; bali aliwazuia wale watu mia tatu; na kambi ya Wamidiani ilikuwa chini yake, bondeni. 9 Ikawa usiku uo huo Iouo akamwambia, Ondoka, shuka kambini; maana nimeitia katika mikono yako. 10 Lakini, ukiogopa kushuka, shuka pamoja na Pura mtumishi wako kambini; 11 nawe utasikia wanayoyasema, na baada ya haya mikono yako itatiwa nguvu; ushuke kambini. Ndipo akashuka pamoja na Pura mtumishi wake hata kufikilia mwisho wa watu wenye silaha waliokuwa kambini. 12 Nao Wamidiani na Waamaleki na, hao wana wa mashariki walikuwa wametua bondeni, mfano wa nzige kwa wingi; na ngamia zao walikuwa hawana hesabu; mfano wa mchanga wa ufuoni, kwa wingi. 13 Hata Gideoni alipofika, tazama, palikuwa na mtu mmoja aliyekuwa akimhadithia mwenziwe ndoto, akasema, Tazama, naliota ndoto, na tazama, mkate wa shayiri ulianguka katika kambi ya Wamidiani, ukafika hata hema moja, ukaipiga hata ikaanguka, nao ukaipindua, hata ikalala chini. 14 Mwenzake akamjibu akasema, Habari hii haikosi kuwa upanga wa Gideoni, mwana wa Yoashi, mtu wa Israeli. Mungu amewatia Wamidiani na jeshi lote katika mkono wake. 15 Ikawa, aliposikia habari ya ile ndoto, na kufasiriwa kwake, akasujudu; akarudi katika jeshi la Israeli akasema, Inukeni, kwa maana Iouo amelitia jeshi la Midiani mikononi mwenu. 16 Kisha akawapanga wale watu mia tatu wawe vikosi vitatu, akatia tarumbeta katika mikono ya watu wote, na mitungi isiyo maji, na mienge ndani ya hiyo mitungi. 17 Akawaambia, Nitazameni, mkafanye kama nifanyavyo mimi; angalieni, nitakapofika mwisho wa kambi, itakuwa, nifanyavyo mimi nanyi fanyeni kadhalika. 18 Nitakapopiga tarumbeta, mimi na wote walio pamoja nami, basi ninyi nanyi zipigeni tarumbeta pande zote za kambi, mkaseme, Kwa Iouo, na kwa Gideoni. 19 Basi Gideoni, na wale watu mia waliokuwa pamoja naye, wakafika mwisho wa kambi, mwanzo wa zamu ya kati, wakati walipokuwa wamebadili wenye zamu; wakazipiga hizo tarumbeta, wakaivunja vipande vipande ile mitungi iliyokuwa mikononi mwao. 20 Vile vikosi vitatu wakapiga tarumbeta, wakaivunja mitungi, wakaishika mienge kwa mikono yao ya kushoto, na zile tarumbeta katika mikono yao ya kuume ili kuzipiga; wakapiga kelele, Upanga wa Iouo na wa Gideoni. 21 Wakasimama kila mtu mahali pake kuizunguka kambi pande zote; jeshi lote wakakimbia; nao wakapiga kelele, wakawakimbiza. 22 Wakazipiga zile tarumbeta mia tatu, naye Iouo akaufanya upanga wa kila mtu uwe juu ya mwenziwe, na juu ya jeshi lote, jeshi likakimbia mpaka Bethshita, kuendelea Serera, hata mpaka wa Abel-Mehola, karibu na Tabathi.

## R. Ruth 2:1-20

### Japanese (日本語)

#### ルツ記 2 章 1～20 節

2 さてナオミには、夫エリメレクの一族で、非常に裕福なひとりの親戚があつて、その名をボアズといった。2 モアブの女ルツはナオミに言った、「どうぞ、わたしを畑に行かせてください。だれか親切な人が見当るならば、わたしはその方のあとについて落ち穂を拾います」。ナオミが彼女に「娘よ、行きなさい」と言ったので、3 ルツは行って、刈る人たちのあとに従い、畑で落ち穂を拾ったが、彼女ははからずもエリメレクの一族であるボアズの畑の部分にきた。4 その時ボアズは、ベツレヘムからきて、刈る者どもに言った、「イオウオがあなたがたと共におられますように」。彼らは答えた、「イオウオがあなたを祝福されますように」。5 ボアズは刈る人たちを監督しているしもべに言った、「これはだれの娘ですか」。6 刈る人たちを監督しているしもべは答えた、「あれはモアブの女で、モアブの地からナオミと一緒に帰ってきたのですが、7 彼女は『どうぞ、わたしに、刈る人たちのあとについて、束のあいだで、落ち穂を拾い集めさせてください』と言いました。そして彼女は朝早くきて、今まで働いて、少しのあいだも休みませんでした」。8 ボアズはルツに言った、「娘よ、お聞きなさい。ほかの畑に穂を拾いに行つてはいけません。またここを去つてはなりません。わたしのところで働く女たちを離れないで、ここにいなさい。9 人々が刈りとつて畑に目をとめて、そのあとについて行きなさい。わたしは若者たちに命じて、あなたのじゃまをしないようにと、言つておいたではありませんか。あなたがかわく時には水がめのところへ行って、若者たちのくんだのを飲みなさい」。10 彼女は地に伏して拝し、彼に言った、「どうしてあなたは、わたしのよな外国人を顧みて、親切にしてくださるのでですか」。11 ボアズは答えて彼女に言った、「あなたの夫が死んでこのかた、あなたがしゅうとめにつくしたこと、また自分の父母と生れた国を離れて、かつて知らなかつた民のところに来たことは皆わたしに聞えました。12 どうぞ、イオウオがあなたのしたことに報いられるように。どうぞ、イスラエルの神、イオウオ、すなわちあなたがその翼の下に身を寄せようとしてきた主からじゅうぶんの報いを得られるように」。13 彼女は言った、「わが主よ、まことにありがとうございます。わたしはあなたのはしためのひとりにも及ばないのに、あなたはこんなにわたしを慰め、はしためにねんごろに語られました」。14 食事の時、ボアズは彼女に言った、「ここへきて、パンを食べ、あなたの食べる物を酢に浸しなさい」。彼女が刈る人々のかたわらにすわつたので、ボアズは焼麦を彼女に与えた。彼女は飽きるほど食べて残した。15 そして彼女がまた穂を拾おうと立ちあがつたとき、ボアズは若者たちに命じて言った、「彼女には束の間でも穂を拾わせなさい。とがめてはならない。16 また彼女のために束からわざと抜き落しておいて拾わせなさい。しかつてはならない」。17 こうして彼女は夕暮まで畑で落ち穂を拾つた。そして拾つた穂を打つと、大麦は一エパほどあつた。18 彼女はそれを携えて町にはいり、しゅうとめにその拾つたものを見せ、かつ食べ飽きて、残して持ちかへつたものを取り出して与えた。19 しゅうとめは彼女に言った、「あなたは、きょう、どこで穂を拾ひましたか。どこで働きましたか。あなたをそのように顧みてくださったかたに、どうか祝福があるように」。そこで彼女は自分がだれの所で働いたかを、しゅうとめに告げて、「わたしが、きょう働いたのはボアズという名の人の所です」と言った。20 ナオミは嫁に言った、「生きてゐる者をも、死んだ者をも、顧みて、いつくしみを賜はるイオウオが、どうぞその人を祝福されますように」。ナオミはまた彼女に言った、「その人はわたしたちの縁者で、最も近い親戚のひとりです」。

### اول سلاطین 8:22-56

22 اور سلیمان نے اسرائیل کی ساری جماعت کے روبرو ایووو کے مذبح کے آگے کھڑے ہو کر اپنے ہاتھ آسمان کی طرف پھیلائے۔ 23 اور کہا اے ایووو اسرائیل کے خُدا تیری مانند نہ تو اوپر آسمان میں نہ نیچے زمین پر کوئی خُدا ہے۔ تُو اپنے اُن بدنوں کے لیے جو تیرے حضور اپنے سارے دل سے چلتے ہیں عہد اور رحمت کو نگاہ رکھتا ہے۔ 24 تُو نے اپنے بندہ میرے باپ دادا کے حق میں وہ بات رکھی جسکا تُو نے اُس سے وعدہ کیا تھا۔ تُو نے اپنے منہ سے فرمایا اور اپنے ہاتھ سے اُسے پورا کیا جیسا آج کے دن ہے۔ 25 سو اب اے ایووو اسرائیل کے خُدا تُو اپنے بندہ میرے باپ داود کے ساتھ اُس قول کو بھی پُورا کر جو تُو نے اُس سے کیا تھا کہ تیرے آدمیوں سے میرے حضور اسرائیل کے تخت پر بیٹھنے والے کی کمی نہ ہو گی بشرطیکہ تیری اولاد جیسے تُو میرے حضور چلتا رہا ویسے ہی میرے حضور چلنے کے لیے اپنی راہ کی احتیاط رکھے۔ 26 سو اب اے اسرائیل کے خُدا تیرہ وہ قول سچا ثابت کیا جائے جو تُو نے اپنے بندہ میرے باپ داود سے کیا۔ 27 لیکن کیا خُدا فی الحقیقت زمین پر سکونت کرے گا؟ دیکھ آسمان بلکہ آسمانوں کے آسمان میں بھی تُو سما نہیں تو یہ گھر تو کچھ بھی نہیں جسے میں نے بنایا۔ 28 تُو بھی اے ایووو میرے خُدا اپنے بندہ کی دعا کو سُن لے جو تیرا بندہ آج کے دن تیرے حضور کرتا ہے۔ 29 تاکہ تیری آنکھیں اس گھر کی طرف یعنی اسی جگہ کی طرف جسکی بابت تُو نے فرمایا کہ میں اپنا نام وہاں رکھوں گا دن اور رات کھلی رہیں تاکہ تُو اُس دعا کو سُنے جو تیرا بندہ اس مقام کی طرف رُخ کر کے تُو سے کرے گا۔ 30 اور تُو اپنے بندہ اور اپنی قوم اسرائیل کی مُناجات کو جب وہ اس جگہ کی طرف رُخ کر کے کریں سُن لینا بلکہ تُو آسمان پر سے جو تیری سکونت گاہ ہے سُن لینا اور سُن کر معاف کر دینا۔ 31 اگر کوئی شخص اپنے پڑوسی کا گناہ کرے اور اُسے قسم کھلانے کے لیے اُسکو حلف دیا جائے اور وہ آخر اس گھر میں تیرے مذبح کے آگے قسم کھائے۔ 32 تُو تُو آسمان پر سے سُن کر عمل کرنا اور اپنے بندوں کا انصاف کرنا اور بدکار پر فتویٰ لگا کر اُسکے اعمال کو اسی کے سر ڈالنا اور صادق کو راست ٹھہرا کر اُسکی صداقت کے مطابق جزا دینا۔ 33 جب تیری قوم اسرائیل تیرا گناہ کرنے کے باعث اپنے دُشمنوں سے شکست کھائے اور پھر تیری طرف رجوع لائے اور تیرے نام کا اقرار کر کے اس گھر میں تُو سے دعا اور مُناجات کرے۔ 34 تُو تُو آسمان پر سے سُن کر اپنی قوم اسرائیل کا گناہ مُعاف کرنا اور اُنکو اس مُلک میں جو تُو نے اُنکے باپ دادا کو دیا پھر لے آنا۔ 35 جب اس سبب سے کہ اُنہوں نے تیرا گناہ کیا ہو آسمان بند ہو جائے اور بارش نہ ہو اور وہ اس مقام کی طرف رُخ کر کے دعا کریں اور تیرے نام کا اقرار کریں اور اپنے گناہ سے باز آئیں جب تُو اُنکو دُکھ دے۔ 36 تُو تُو آسمان پر سے سُن کر اپنے بندوں اور اپنی قوم اسرائیل کا گناہ مُعاف کر دینا کیونکہ تُو اُنکو اُس اچھی راہ کی تعلیم دیتا ہے جس پر اُنکو چلنا فرض ہے اور اپنے مُلک پر جسے تُو نے اپنی قوم کو میراث کے لیے دیا ہے مینہ برسانا۔ 37 اگر مُلک میں کال ہو۔ اگر وبا ہو۔ اگر بادِ سموم یا گیروٹی یا تڈی یا کما ہو۔ اگر اُنکے دُشمن اُنکے شہروں کے مُلک میں اُنکو گھیر لیں غرض کیسی ہی بلا۔ کیسا ہی روگ ہو۔ 38 تو جو دُعا اور مُناجات کسی ایک شخص یا تیری قوم اسرائیل کی طرف سے ہو جن میں سے ہر شخص اپنے دل کا دُکھ جانکر اپنے ہاتھ اس گھر کی طرف پھیلائے۔ 39 تُو تُو آسمان پر سے جو تیری سکونت گاہ ہے سُن کر مُعاف کر دینا اور ایسا کرنا کہ ہر آدمی کو جس کے دل کو تُو جانتا ہے اسی کی ساری روش کے مطابق بدلہ دینا کیونکہ فقط تُو ہی سب بنی آدم کے دلوں کو جانتا ہے۔ 40 تاکہ جتنی مُدت تک وہ اُس مُلک میں جسے تُو نے ہمارے باپ دادا کو دیا جیتے رہیں تیرا خوف مانیں۔ 41 اب رہا وہ پردیسی جو تیری قوم اسرائیل میں سے نہیں ہے۔ وہ جب دُور مُلک سے تیرے نام کی خاطر آئے۔ (42 کیونکہ وہ تیرے بزرگ نام اور قوی ہاتھ اور بلند بازو کا حال سُنیں گے) (سو جب وہ آئے اور اس گھر کی طرف رُخ کر کے دعا کرے۔ 43 تُو تُو آسمان پر سے جو تیری سکونت گاہ ہے سُن لینا اور جس جس بات کے لیے وہ

پر دیسی تُجہ سے فریاد کرے تو اُسکے مطابق کرنا تاکہ زمین کی سب قومیں تیرے نال کو پہچانیں اور تیری قوم اسرائیل کی طرح تیرا خوف مانیں اور جان لیں کہ یہ گھر جسے میں نے بنایا ہے تیرے نام کا کہلاتا ہے۔ 44 اگر تیرے لوگ خواہ کسی راستہ سے تو اُنکو بھیجے اپنے دُشمن سے لڑنے کو نکلیں اور وہ ایووو سے اُس شہر کی طرف جسے تو نے چُنا ہے اور اُس گھر کی طرف جسے میں نے تیرے نام کے لیے بنایا رُخ کر کے دعا کریں۔ 45 تو تو آسمان پر سے اُنکی دعا اور مُناجات سُنکر اُنکی حمایت کرنا۔ 46 اگر وہ تیرا گناہ کریں ( کیونکہ کوئی ایسا آدمی نہیں جو گناہ نہ کرتا ہو ) اور تو اُن سے ناراض ہو کر اُنکو دُشمن کے حوالہ کر دے ایسا کہ وہ دُشمن اُنکو اسیر کر کے اپنے مُلک میں لے جائے خواہ وہ دُور ہو یا نزدیک۔ 47 تو بھی اگر وہ اُس مُلک میں جہاں وہ اسیر ہو کر پہنچائے گئے ہوش میں اُنیں اور رجوع لائیں اور اپنے اسیر کرنے والوں کے مُلک میں تُجہ سے مُناجات کریں اور کہیں کہ ہم نے گناہ کیا۔ ہم ٹیڑھی چال چلے اور ہم نے شرارت کی۔ 48 سو اگر وہ اپنے دُشمنوں کے مُلک میں جو اُنکو اسیر کر کے لے گئے اپنے سارے دل اور اپنی ساری جان سے تیری طرف پھریں اور اپنے مُلک کی طرف جسے تو نے اُن کے باپ دادا کو دیا اور اِس شہر کی طرف جسے تو نے چُن لیا اور اِس گھر کی طرف جو میں نے تیرے نام کے لیے بنایا ہے رُخ کر کے تُجہ سے دعا کریں۔ 49 تو تو آسمان پر سے جو تیری سکونت گاہ ہے اُنکی دعا اور مُناجات سُنکر اُنکی حمایت کرنا۔ 50 اور اپنی قوم کو جس نے تیرا گناہ کیا اور اُنکی سب خطاوں کو جو اُن سے تیرے خلاف سرزد ہوں معاف کر دینا اور اُنکے اسیر کرنے والوں کے اگے اُن پر رحم کرنا تاکہ وہ اُن پر رحم کریں۔ 51 کیونکہ وہ تیری قوم اور تیری میراث ہیں جسے تو مصر سے لوہے کی بھٹے کی بیچ میں سے نکال لایا۔ 52 سو تیری آنکھیں تیرے بندہ کی مُناجات اور تیری قوم اسرائیل کی مُناجات کی طرف کھلی رہیں تاکہ جب کبھی وہ تُجہ سے فریاد کریں تو اُنکی سُنے۔ 53 کیونکہ تو نے زمین کی سب قوموں میں سے اُنکو الگ کیا کہ وہ تیری میراث ہوں جیسا اے مالک ایووو تو نے اپنے بندہ موسیٰ کی معرفت فرمایا جس وقت تو ہمارے باپ دادا کو مصر سے نکال لایا۔ 54 اور ایسا ہوا کہ جب سلیمان ایووو سے یہ سب مُناجات کر چُکا تو وہ ایووو کے مذبح کے سامنے سے جہاں وہ اپن ہاتھ آسمان کی طرف پھیلائے ہوئے گھٹنے ٹیک تھا اُٹھا۔ 55 اور کھڑے ہو کر اسرائیل کی ساری جماعت کو بلند آواز سے برکت دی اور کہا۔ 56 ایووو جس نے اپنے سب وعدوں کے موافق اپنی قوم اسرائیل کو آرام بخشا مُبارک ہو کیونکہ جو سارا اچھا وعہ اُس نے اپنے بندہ موسیٰ کی معرفت کیا اُس میں سے ایک بات ب



## **T. Psalm 19:1-14**

### **Tagalog (Wikang Tagalog)<sup>t</sup>**

#### **Awit 19:1-14**

1 Ang kalangitan ay nagpapahayag ng kaluwalhatian ng Dios; at ipinakikilala ng kalawakan ang gawa ng kaniyang kamay. 2 Sa araw-araw ay nagbabadya ng pananalita, at sa gabi-gabi ay nagpapakilala ng kaalaman. 3 Walang pananalita o wika man; ang kanilang tinig ay hindi marinig. 4 Ang kanilang pangungusap ay lumaganap sa buong lupa, at ang kanilang mga salita ay hanggang sa wakas ng sanglibutan. Sa kanila inilagay niya ang tabernakulo na ukol sa araw, 5 Na gaya ng kasintahang lalake na lumalabas mula sa kaniyang silid. At nagagalak na gaya ng malakas na tao na tatakbo ng kaniyang takbo. 6 Ang kaniyang labasan ay mula sa wakas ng mga langit, at ang kaniyang ligid ay sa mga wakas niyaon: at walang bagay na nakukubli sa pagiinit niyaon. 7 Ang kautusan ng Iouo ay sakdal, na nagsasauli ng kaluluwa: ang patotoo ng Iouo ay tunay, na nagpapapantas sa hangal. 8 Ang mga tuntunin ng Iouo ay matuwid, na nagpapagalak sa puso: ang utos ng Iouo ay dalisay, na nagpapaliwanag ng mga mata. 9 Ang takot sa Iouo ay malinis, na nananatili magpakailan man: ang mga kahatulan ng Iouo ay katotohanan, at lubos na matuwid. 10 Mga pinipitang higit kay sa ginto, oo, higit kay sa maraming dalisay na ginto: lalong mainam kay sa pulot, at sa pulot-pukyutan. 11 Higit dito'y sa pamamagitan ng mga iyo'y mapagpapaunahan ang iyong lingkod: sa pagiingat ng mga yaon ay may dakilang ganting-pala. 12 Sinong makasisiyasat ng kaniyang mga kamalian? Paliwanagan mo ako sa mga kubling kamalian. 13 Italikod mo rin ang iyong lingkod sa mga kapalaluang sala: huwag mong papagtaglayin ang mga yaon ng kapangyarihan sa akin: kung magkagayo'y magiging matuwid ako, at magiging malinis ako sa malaking pagsalangsang. 14 Maging kalugodlugod nawa ang mga salita ng aking bibig, at ang pagbubulay ng aking puso sa iyong paningin, Oh Iouo, na aking malaking bato, at aking manunubos.

#### **Remark:**

In the available data, the heading of this psalm (verse 0 or beginning of verse 1) is missing.  
In English, it reads: "For the Chief Musician. A Psalm of David." (ASV)

## U. Isaiah 30:1-30

### Maori (te reo Māori)<sup>u</sup>

#### Isaiah 30:1-30

**30** Aue te mate mo nga tamariki whakakeke, e ai ta Iouo, e hanga whakaaro nei, otia ehara i te mea naku; e hipoki nei i te hipoki, ehara ia i te mea na toku wairua, he mea kia taparua iho ai e ratou he hara ki runga ki te hara: 2 E haere nei ki raro ki Ihipa, kahore hoki e ui tikanga ki toku mangai; hei kaha hoki mo ratou te kaha o Parao, a e mea ana kia whakawhirinaki ki te taumarumarunga iho o Ihipa! 3 Mo reira hei mea whakama ki a koutou te kaha o Parao, hei mea ano e numinumi ai koutou te whakawhirinaki ki te taumarumarunga iho o Ihipa. 4 I Toana hoki ana rangatira, i tae ano ana karere ki Hanehe. 5 Whakama katoa ratou ki te iwi kahore nei a ratou pai mo ratou, kahore he awhina, kahore he pai; engari he whakama, he ingoa kino. 6 Ko te poropititanga mo nga kararehe o te tonga. I te whenua o te raruraru, o te ngakau mamae, no reira nei te raiona uha me te raiona toa, te waipera me te nakahi e rere nei me he ahi, ka kawea atu e ratou o ratou rawa i runga i nga pokohiwi o ng a kua kaihē, o ratou taonga i runga i nga koropuku o nga kamera ki te iwi kahore nei a ratou pai mo ratou. 7 Ko ta Ihipa awhina hoki he horihori, he kore noa iho: koia i huaina ai e ahau, ko Rahapa noho tonu. 8 Na haere, tuhituhia ki te papa ki to ratou aroaro, taia iho hoki ki te pukapuka; me waiho ano tena i nga ra i muri hei kaiwhakaatu a ake ake. 9 He tutu hoki tenei iwi, he tamariki korero teka, he tamariki kahore e pai ki te whakarongo ki te ture a Iouo: 10 Ko ta ratou nei kupu ki nga matakite, Kaua e kite; ki nga poropiti, Kaua e poropititia ki a matou nga mea tika; korero ki a matou i nga mea ngawari; hei nga mea tinihanga he poropititanga ma koutou: 11 Peka atu i te ara, whakarerea te huarahi, kati ta te Mea Tapu o Iharaira te mea mai ki to matou aroaro. 12 Na ko te kupu tenei a te Mea Tapu o Iharaira, Kua paopao na koutou ki tenei kupu, kua okioki ano ki te tukino, ki te whanoke, u tonu atu ki reira: 13 Na, ko te tukunga iho o tenei he ki a koutou, ka rite ki te pakaru o te taiepa, meake nei hinga, kua ngawha haere i te wahi tiketike, kitea rawatia ake kua puta whakarere tona pakaru. 14 Ka wahia hoki e ia, pera i te oko a te kaihanga rihi e wahia ana, mongamonga noa, e kore e tohungia; na e kore e kitea i roto i ona kongakonga he maramara hei tango ahi mai i te kanga ahi, hei utu wai ake ranei i te poka. 15 Ko te kupu hoki tenei a te Ariki, a Iouo, a te Mea Tapu o Iharaira, Ma te tahuri mai, ma te humarie ka ora ai koutou; kei te ata noho, kei te whakawhirinaki he kaha mo koutou; heoi kihai koutou i pai. 16 Na i ki na koutou, Kahore, engari me rere matou i runga i te hoiho; mo reira ka rere koutou: a, Ka eke matou ki runga ki te mea tere; mo reira ka tere ano te hunga e whai ana i a koutou. 17 Ko te mano kotahi, ka rere i te riri a te tangata kotahi; ka rere koutou i te riri a te tokorima; a ka mahue koutou ano he pou kara i te tihi o te maunga, ano he kara i runga i te pukepuke. 18 Na konei ano a Iouo ka tatari, he mea kia atawhaitia ai koutou e ia, na konei ano ia ka whakanekehia ake, kia tohungia ai koutou e ia: he Atua whakawa hoki a Iouo, ka hari te hunga katoa e tatari ana ki a ia. 19 Tera hoki te iwi e noho ki Hiona, ki Hiruharama; mutu ake tou tangi: he pono ka aroha ia ki a koe, ki tou reo e tangi ana; ka rongo ia ki a koe, ka whakahoki kupu ia ki a koe. 20 Ahakoa homai e te Ariki hei taro ma koutou ko te ngakau mamae, hei wai ano ko te tukino, e kore ou kaiwhakaako e huna a muri; engari ka kite ou kanohi i ou kaiwhakaako: 21 A ka rongo ou taringa i te kupu i muri i a koe e mea ana, Ko te ara tenei: na konei atu, ina tahuri koutou ki matau, ina tahuri ki mau. 22 Ka whakapokea hoki e koutou te kopaki o au whakapakoko hiriwa, me te mea whakakikorua o au whakapakoko koura whakarewa: ka rukerukea atu e koe, ano he mea poke, a ka mea ki taua mea, Haere atu. 23 A ka homai e ia he ua ki tau purapura e whakatokia e koe ki te oneone, he taro ano, he hua no te oneone, a ka whai ngako, ka nui taua mea: i taua ra ano he nunui nga parae e kai ai au kararehe. 24 A ko nga kau me nga kua kaihē e mahi ana i te oneone, ka kai i te kai pai, he mea i whakarere ki te koko, ki te whakarere witi. 25 A i runga i nga maunga tiketike katoa, i nga pukepuke ikeike katoa, ka rere he awa, he manga wai, i te ra o te parekura nui, ina hinga nga pourewa. 26 Ko te marama hoki o te marama ka rite ki te marama o te ra, a ko te marama o te ra, e whitu ona whakanekehanga ake, ka rite ki te marama o nga ra e whitu, i te ra e takaia ai e Iouo te kaiakiko o tana iwi, ina rongoatia e ia te patunga i patua ai ratou. 27 Nana, kei te haere mai te ingoa o Iouo i tawhiti, ka tonu tona riri, pongere tonu te paowa e kake ana; ki tonu ona ngutu i te riri, ko tona arero koia ano kei te ahi e kai ana: 28 Ko tona manawa, ano he awa e ngawha ana, tae ana ki te kaki rawa, hei tatari i nga iwi ki te tatari o te horihori; a mau rawa ki nga kauae o nga iwi he paraire, hei whakapokehe i a ratou. 29 Ka waiata koutou, me te mea ko te po e mahia ai te hakari tapu; ka koa te ngakau, ano he tangata e haere ana me tana putorino, e haere ana ki

te maunga o Iouo, ki te Kamaka o Iharaira. 30 Ka meinga hoki e Iouo tona reo kororia kia rangona, kia kitea te tautanga iho o tona ringa, me te weriweri o tona riri, te mura o te ahi e kai ana, te apuhau, te tupuhi, me te nganga kohatu.

## V. Jeremiah 51:1-48

### Thai (ภาษาไทย)<sup>v</sup>

#### เยเรมีย์ 51:1-48

51 พระเจ้าจะทรงพิพากษากรุงบาบิโลนอิโอะอุโอะตรัสดังนี้ว่า "ดูเถิด เราจะปลุกกระแสดมแห่งการทำลาย ต่อสู้กับบาบิโลน และต่อสู้กับคนที่อาศัยท่ามกลางพวกที่ลุกขึ้นสู้กับเรา 2 เราจะส่งผู้ผิดไปยังบาบิโลนและเขาทั้งหลายจะฝังเธอ และเขาทั้งหลายจะทำให้แผ่นดินของเธอว่างเปล่า เมื่อเขาทั้งหลายมาล้อมเธอไว้ทุกด้าน ในวันแห่งความยากลำบาก 3 อย่าให้หนักธนู โกงคันธนูได้ อย่าให้เขาสวมเสื้อเกราะลุกขึ้นได้ อย่าไว้ชีวิตคนหนุ่มๆของเธอเลย จงทำลายพลโยธาของเธอทั้งหมด 4 ดังนั้นเขาทั้งหลายจะถูกฆ่าล้มลงในแผ่นดินของชาวเคลเดีย และจะถูกแทงทะลุที่ถนนเมืองนั้น 5 เพราะว่าอิสราเอลและยูดาห์มิได้ถูกทอดทิ้งโดยพระเจ้าของเขาทั้งหลายอิโอะอุโอะจอมโยธา ถึงแม้แผ่นดินของเขาเต็มด้วยความคิดบาปต่อองค์บริสุทธิ์แห่งอิสราเอล 6 จงหนีเสียจากท่ามกลางบาบิโลน ให้ทุกคนเอาชีวิตของตนให้รอดพ้นเถิด เจ้าอย่าถูกตัดออกด้วยความชั่วช้าของเธอเลย เพราะนี่เป็นเวลาแห่งการแก้แค้นของอิโอะอุโอะ พระองค์จะทรงตอบสนองต่อเธอสักครั้ง 7 บาบิโลนได้เคยเป็นถ้วยทองคำในพระหัตถ์ของอิโอะอุโอะ กระทำให้แผ่นดินโลกทั้งสิ้นมีนเมาไป บรรดาประชาชาติได้ดื่มเหล้าองุ่นของเธอ เพราะฉะนั้นประชาชาติต่างจึงเข้าไป 8 บาบิโลนได้ล้มลงและแตกไปอย่างฉับพลัน จงคร่ำครวญเพื่อเธอเถิด จงเอาพิณเสนามาให้เชอบรรเทาปวด ชะรอยจะรักษาเธอให้หายได้กระมัง 9 เราทั้งหลายอยากจะรักษาบาบิโลนให้หาย แต่เธอไม่หาย ละทิ้งเธอเสียเถิด และให้เราไป ต่างไปยังประเทศของตน เพราะว่าการพิพากษาเธอได้ขึ้นไปถึงฟ้าสวรรค์ และได้ถูกยกขึ้นถึงฟ้าฟ้า 10 อิโอะอุโอะทรงนำความชอบธรรมออกมาให้เรา มาเถิด ให้เราประกาศพระราชกิจของอิโอะอุโอะพระเจ้าของเราที่ในศิโยน 11 จงฟังลูกธนู จงหยิบโล่ขึ้นมา อิโอะอุโอะทรงเร้าใจบรรดาษัตริย์คนมีเดย เพราะว่าพระประสงค์ของพระองค์เกี่ยวกับเรื่องบาบิโลน ก็คือการทำลายมันเสีย เพราะนั่นแหละเป็นการแก้แค้นของอิโอะอุโอะ คือการแก้แค้นแทนพระวิหารของพระองค์ 12 จงปีกธงชดชวรคร่ำครวญของบาบิโลน จงทำคนเฝ้าให้เข้มแข็ง จงตั้งคนยามขึ้น จงเตรียมกองทัพไว้ เพราะอิโอะอุโอะทรงวางแผนงานและทั้งทรงกระทำเสร็จตามที่พระองค์ทรงลั่นพระ วาจาเกี่ยวกับชาวเมืองบาบิโลน 13 โอ เจ้าผู้อาศัยตามน้ำมากหลาย ผู้มีสมบัติมากมายเอ๋ย อาสานของเจ้ามาถึงแล้ว เส้นความโลภของเจ้าได้ถูกตัดขาดเสียแล้ว 14 อิโอะอุโอะจอมโยธาได้ทรงปฏิญาณต่อพระองค์เองว่า แน่ละ เราจะให้เจ้ามีถิ่นตั้งเมืองให้มากอย่างตึกแดน และเขาทั้งหลายจะเปล่งเสียงโห่ร้องมีชัยเหนือเจ้า 15 พระองค์ทรงสร้างโลกด้วยฤทธิ์เดชของพระองค์ พระองค์ทรงสถาปนาพิภพไว้ด้วยพระสติปัญญาของพระองค์ และทรงคลี่ที่องฟ้าออกด้วยความเข้าใจของพระองค์ 16 เมื่อพระองค์ทรงเปล่งพระสุรเสียงก็มีเสียงน้ำคะนองในท้องฟ้า และทรงกระทำให้หมอกลอยขึ้นจากปลายพิภพ ทรงกระทำฟ้าแลบเพื่อฝน และทรงนำลมมาจากพระคลังของพระองค์ 17 มนุษย์ทุกคนโอดในทางความรู้ของตน ช่างทองทุกคนจะได้อายเพราะรูปเคารพสลักของตน เพราะรูปเคารพหล่อของเขาเป็นของเท็จ และไม่มีลมหายใจในรูปเคารพนั้น 18 มันเป็นของไร้ค่า และเป็นผลงานแห่งความคิดพลาด มันจะต้องพินาศเมื่อถึงเวลาการลงโทษ 19 พระองค์ผู้ทรงเป็นส่วนของยาโคบไม่เหมือนสิ่งเหล่านี้ เพราะพระองค์ทรงเป็นผู้ที่ก่อร่างทุกสิ่งขึ้น และอิสราเอลเป็นตระกูลที่เป็นมรดกของพระองค์ อิโอะอุโอะจอมโยธาเป็นพระนามของพระองค์ 20 เจ้าเป็นค้อนและยุทธโศภกรณ์ของเรา เราจะทุบบรรดาประชาชาติเป็นชิ้นๆด้วยเจ้า เราจะทำลายราชอาณาจักรทั้งหลายด้วยเจ้า 21 เราจะทุบม้าและคนขี่เป็นชิ้นๆด้วยเจ้า เราจะทุบบรรดารถรบและคนขับ ให้เป็นชิ้นๆด้วยเจ้า 22 เราจะทุบผู้ชายและผู้หญิงเป็นชิ้นๆด้วยเจ้า เราจะทุบคนแก่และคนหนุ่มเป็นชิ้นๆด้วยเจ้า เราจะทุบคนหนุ่มและหญิงพรหมจารีเป็นชิ้นๆด้วยเจ้า 23 เราจะทุบผู้เลี้ยงแกะและฝูงแกะเป็นชิ้นๆด้วยเจ้า เราจะทุบชวานาและวัวคู่แอกของเขาเป็นชิ้นๆด้วยเจ้า เราจะทุบเจ้าเมืองและปลัดเมืองเป็นชิ้นๆด้วยเจ้า 24 อิโอะอุโอะตรัสว่า เราจะสนองบาบิโลนและบรรดาชาวประเทศเคลเดียท่ามกลางสายตาของเจ้า ซึ่งบรรดาความชั่วร้ายอันเขาได้กระทำในศิโยน 25 อิโอะอุโอะตรัสว่า โอ ภูเขาซึ่งทำลายเอ๋ย ดูเถิด เราต่อสู้เจ้า เจ้าผู้ทำลายแผ่นดินโลกทั้งสิ้น เราจะเหยียดมือของเราออกต่อสู้เจ้า

และกึ่งเจ้าลงมาจากหน้าผา และจะกระทำให้เจ้าเป็นภูเขาคู่ใหม่ 26 เขาจะไม่เอาหินจากเจ้าไปทำศิลาบุมอก และไม่เอาหินไปทำรากฐาน แต่เจ้าจะถูกทิ้งร้างเป็นนิคย์ อิโอเออุ โอะครัสดังนี้ 27 จงตั้งธงไว้บนแผ่นดิน จงเป่าแตรท่ามกลางประชาชาติทั้งหลาย จงเตรียมประชาชาติทั้งหลายไว้ทำสงครามกับเธอ จงเรียกราชอาณาจักรต่อไปนี้มาสู้กับเธอ อารารัต มินนี และอัชเคนัส จงตั้งจอมทัพไว้ต่อสู้เธอ จงทำมาขึ้นเหมือนบึงคันระกระระกะ

28 จงเตรียมบรรดาประชาชาติมาทำสงครามกับเธอ คือเตรียมบรรดากษัตริย์แห่งมีเดีย พร้อมทั้งเจ้าเมืองและปลัดเมืองทั้งหลาย และทุกแผ่นดินที่ขึ้นแก่มีเดีย 29 แผ่นดินนั้นจะสะท้อนสะท้อนและโสกเศร้า เพราะบรรดาพระประสงค์ของอิโอเออุ โอะจะเกิดขึ้นเพื่อต่อสู้บาบิโลน

เพื่อจะกระทำให้แผ่นดินบาบิโลนเป็นที่รกร้างปราศจากคนอาศัย 30 นักรบแห่งบาบิโลนหยุดรบแล้ว เขาทั้งหลายค้างอยู่ในที่กำบังเข้มแข็งของเขา กำลังของเขาถอยเสียแล้ว เขาทั้งหลายกลายเป็นเหมือนผู้หญิง เขาได้เผาที่อาศัยของเธอแล้ว และศาลประตูของเธอก็หัก 31 นักรบคนหนึ่งวิ่งไปพบนักรบอีกคนหนึ่ง ทูตคนหนึ่งวิ่งไปพบทูตอีกคนหนึ่ง เพื่อทูลกษัตริย์แห่งบาบิโลนว่า เมืองของพระองค์ถูกยึดไว้ทุกด้านแล้ว

32 ท่าลุยข้ามก็ถูกยึดแล้ว ที่เป็นบึงเป็นหนองก็ถูกไฟไหม้และบรรดาทหารก็ระส่ำระสาย 33 เพราะอิโอเออุ โอะจะจอมโยธา พระเจ้าแห่งอิสราเอล ตรัสดังนี้ว่า บุตรสาวแห่งบาบิโลนก็เหมือนลานนวดข้าว ณ เวลาที่เธอถูกเหยียบย่ำ อีกสักประเดี๋ยว เวลาเกี่ยวก็จะมาถึงแล้ว" 34 ให้ชาวเมืองศิโยนพูดว่า "นบুদ্ধิตนสซาร์กษัตริย์แห่งบาบิโลน ได้กินข้าพเจ้าเสียแล้ว ท่านได้ขย้ำข้าพเจ้า ท่านได้ทำให้ข้าพเจ้าเป็นภาชนะว่างเปล่า ท่านได้กินข้าพเจ้าตั้งมังกร ท่านได้อ้อมท้องด้วยของอร่อยของข้าพเจ้า แล้วท่านก็คายข้าพเจ้าทิ้งเสีย 35 ความทารุณที่ได้กระทำแก่ข้าพเจ้าและแก่นเนื้อหนังของข้าพเจ้าจงตกเหนือบาบิโลน"

ให้เยรูซาเล็มกล่าวว่า "ให้ความรับผิดชอบสำหรับเลือดตกของเราอยู่แก่ชาวประเทศเคลเดีย" 36 เพราะฉะนั้น อิโอเออุ โอะครัสดังนี้ว่า "คูเถิด เราจะแก้คดีของเจ้า และกระทำการแก้แค้นเพื่อเจ้า เราจะทำทะเลของเธอล้างให้แห้ง และกระทำแหล่งน้ำของเธอให้เหือด 37 และบาบิโลนจะกลายเป็นกองซากปรักหักพัง เป็นที่อยู่อาศัยของมังกร เป็นที่นำตกตะลึง และเป็นที่ย่ำเหยียบ ปราศจากคนอาศัย 38 เขาทั้งหลายจะคำรามด้วยกันอย่างสิงโต เขาทั้งหลายจะคำรามอย่างลูกสิงโต 39 ขณะที่เขาทั้งหลายฟัวรื้อน เราจะเตรียมการเลี้ยงให้ และกระทำให้เขาทั้งหลายมีนมมา เพื่อเขาทั้งหลายจะปลาบปลื้มยินดี

จนเขาทั้งหลายจะนอนหลับอยู่ชั่วกาลนาน ไม่ตื่นเลย อิโอเออุ โอะครัสดังนี้แหละ 40 เราจะนำเขาทั้งหลายลงมาจุถูกแกะไปยังการฆ่า เหมือนแกะผู้และแพะผู้ 41 เขชกถูกยึดแล้วหนอ ซึ่งเป็นที่สรรเสริญของทั่วแผ่นดิน โลกถูกจับแล้วเล่า

บาบิโลน ได้กลายเป็นที่นำตกตะลึงท่ามกลางบรรดาประชาชาติเสียแล้วหนอ 42 ทะเลขึ้นมาเหนือบาบิโลน คลื่นอย่างมากมายคลุมเธอไว้ 43 หัวเมืองของเธอกลายเป็นที่รกร้าง เป็นแผ่นดินที่แห้งแล้งและเป็นถิ่นทุรกันดาร เป็นแผ่นดินที่ไม่มีผู้ใดอาศัยอยู่และไม่มีบุตรของมนุษย์คนใดเข้าไป 44 และเราจะลงโทษพระเบลในบาบิโลน ท่านกลืนอะไรเข้าไปแล้ว เราจะเอาออกจากปากท่านเสีย บรรดาประชาชาติจะไม่ไหลไปหาท่านอีก เออ กำแพงแห่งบาบิโลนจะล้มลง 45 ประชาชนของเราเอ๋ย จงออกไปเสียจากท่ามกลางเธอ ให้ทุกคนเอาชีวิตของตนรอดจากความพิโรธอันร้อนแรงของอิโอเออุ โอะเถิด 46 อย่าให้ใจของเจ้าวิตก และอย่าให้กลัวต่อข่าวลือซึ่งได้ยินในแผ่นดินนั้น จะมีข่าวลือเรื่องหนึ่งมาในปีหนึ่ง และหลังจากนั้นอีกปีหนึ่งก็มีข่าวลือเรื่องหนึ่งมา และความทารุณก็มีอยู่ในแผ่นดินและผู้ครอบครองก็ต่อสู้กับผู้ครอบครอง 47 เพราะฉะนั้น คูเถิด วันเวลาจะมาถึง เมื่อเราจะลงโทษรูปเคารพสลักแห่งบาบิโลน แผ่นดินทั้งสิ้นของเธอจะต้องได้อาย และบรรดาชาวบาบิโลนซึ่งถูกฆ่าจะล้มลงที่ท่ามกลางเธอ 48 แล้วฟ้าสวรรค์และแผ่นดินโลกและสรรพสิ่งที่มีอยู่ในนั้น จะร้องเพลงเหนือบาบิโลน เพราะว่าผู้ทำลายจะมาจากทิศเหนือต่อสู้กับเธอ อิโอเออุ โอะครัสดังนี้

## W. Ezeziel 14:1-11

### Turkish (Türkçe)<sup>w</sup>

#### Hezekiel 14:1-11

**14** VE yanıma İsrail ihtiyarlarından adamlar geldiler, ve önünmde oturdular. 2Ve bana İouo'nun şu sözü geldi: 3 Âdem oğlu, bu adamlar yüreklerine kendi putlarını diktiler, ve fesatları tökezini yüzleri önüne koydular; ben hiç kendimi onlara aratır mıyım? 4 Bundan dolayı onlara söyle, ve kendilerine de: Rab İouo şöyle diyor: İsrail evinden yüreğine putlarını diken, ve fesadı tökezini yüzü önüne koyan, ve peygambere gelen herkese, ben İouo, ona göre, putlarının çokluğuna göre ona cevap vereyim de, 5 İsrail evini kendi yüreklerinde tutayım, çünkü putları ile hepsi bana yabancı oldular. 6 Bundan dolayı İsrail evine de: Rab İouo şöyle diyor: Dönün, ve kendinizi putlarınızdan döndürün; ve yüzlerinizi bütün mekruh şeylerinizden döndürün. 7 Çünkü İsrail evinden, ve İsrailde misafir olan misafirlerden, benden ayrılan, ve yüreğine putlarını diken, ve fesadı tökezini yüzü önüne koyan, ve kendisi için beni aramak üzere peygambere gelen herkese, ben İouo, kendim ona cevap vereceğim; 8 ve yüzümü o adama karşı çevireceğim, ve onu alamet ve mesel olarak şaşılacak bir şey edeceğim, ve kavmımın içinden onu kesip atacağım, ve bileceksiniz ki, ben İouo'yum. 9 Ve peygamber şaşırır da bir şey söylese, ben, İouo, o peygamberi şaşırtan benim, ve elimi onun üzerine uzatacağım, ve kavmım İsrailin içinden onu söküp atacağım. 10 Ve onlar kendi fesatlarını yüklenecekler; peygamberi arayanın fesadı nasılsa, peygamberin fesadı da öyle olacak; 11 ta ki, İsrail evi yine benden sapmasınlar, ve bütün günahları ile yine kendilerini murdar etmesinler; ve bana kavm olsunlar, ve ben onlara Allah olayım, Rab İouo'nun sözü. 12 Ve bana İouo'nun şu sözü geldi: 13 Âdem oğlu, bir memleket hainlik edip bana karşı suç işliyince, onun üzerine elimi uzatır, ve onun ekmek desteğini kırar, ve üzerine kıtlık gönderir, ve insanla hayvanı ondan kesip atarsam; 14 Nuh, Daniel, ve Eyub, bu üç adam orada olsalar da, salâhları ile ancak kendi canlarını kurtarırlar, Rab İouo'nun sözü.

## **X. Jonah 1:1-1:15 and Jonah 2:1-9,11 and Jonah 3:1-8,10**

### **Indonesian (Bahasa Indonesia)<sup>x</sup>**

#### **Yunus 1:1-15**

**1** Pada suatu hari, Iouo berbicara kepada Yunus, anak Amitai. **2** Kata-Nya, "Pergilah ke Niniwe, kota besar itu, untuk mengancamnya, karena Aku tahu bahwa penduduknya jahat sekali." **3** Tetapi Yunus malah berangkat ke arah lain untuk menjauhi Iouo. Ia pergi ke Yopa, dan kebetulan menemukan kapal yang hendak bertolak ke Spanyol. Setelah membayar ongkos perjalanannya, ia naik kapal, lalu berlayar bersama awak kapal ke Spanyol, untuk menjauhi Iouo. **4** Yunus turun ke tempat yang paling bawah dan berbaring di situ, lalu tertidur nyenyak. Kemudian Iouo mendatangkan angin ribut ke atas laut, lalu terjadilah badai yang dahsyat, yang memukul kapal itu sehingga hampir hancur. Para awak kapal takut sekali dan berteriak-teriak minta tolong, masing-masing kepada dewanya sendiri. Untuk mengurangi bahaya karam, mereka membuang muatan kapal itu ke dalam laut. **5** (**4**) **6** Pada waktu nakhoda kapal itu turun ke bawah, ia menemukan Yunus di situ sedang tidur. Lalu ia berkata, "Masakah kau bisa tidur dalam keadaan begini! Ayo, bangun! Berdoalah kepada dewamu untuk minta tolong. Siapa tahu ia akan kasihan kepada kita sehingga kita tidak binasa." **7** Sesudah Yunus dan nakhoda itu naik ke atas, para awak kapal itu berkata sesama mereka, "Mari, kita buang undi supaya kita tahu siapa yang bersalah sehingga kita ditimpa bencana ini!" Mereka membuang undi, dan nama Yunus yang kena. **8** Lalu kata mereka kepada Yunus, "Betulkah engkau yang menyebabkan bencana ini? Engkau dari mana? Bangsa apa? Mengapa ada di sini?" **9** Jawab Yunus, "Aku orang Ibrani. Aku menyembah Iouo, Allah di surga, yang menciptakan laut dan daratan." **10** Kemudian diceritakannya bagaimana ia berusaha melarikan diri dari Iouo. Mendengar itu para awak kapal menjadi lebih takut lagi, dan berkata kepadanya, "Lancang sekali perbuatanmu itu!" **11** Sementara itu badai makin menjadi-jadi, lalu para awak kapal bertanya kepadanya, "Apa yang harus kami lakukan kepadamu supaya badai ini berhenti?" **12** Jawab Yunus, "Buanglah aku ke dalam laut, pasti badai akan berhenti. Sebab sekarang aku tahu, bahwa akulah yang menyebabkan badai yang dahsyat ini menimpa kalian." **13** Tetapi para awak kapal masih berusaha sekuat tenaga untuk mendayung kapal itu ke daratan. Namun badai makin mengamuk juga, sehingga usaha mereka sia-sia belaka. **14** Sebab itu mereka berseru kepada Iouo, "Ya Iouo, kami mohon, janganlah kami binasa karena mengambil nyawa orang yang tidak melakukan kesalahan apa pun terhadap kami. Ya Iouo, Engkau telah melakukan apa yang Engkau kehendaki." **15** Lalu mereka melemparkan Yunus ke dalam laut. Maka badai itu berhenti mengamuk.

#### **Yunus 2:1-8(9),10(11)**

**2** Dari dalam perut ikan itu, Yunus berdoa kepada Iouo Allahnya. Katanya, **2** "Ya Iouo, dalam kesusahanku aku berseru kepada-Mu dan Engkau menjawab aku. Dari dunia orang mati aku mohon pertolongan, permohonanku Kaudengar dan Kauperhatikan. **3** Ke tempat yang dalam aku Kaulemparkan, sampai ke dasar lautan. Di sana arus air mengelilingi aku, ombak dan gelombang menghempaskan aku. **4** Dalam hatiku aku berkata: Iouo sudah mengusir aku ini dari hadapan-Nya. Tak akan aku melihat lagi rumah kediaman-Nya yang suci. **5** Air laut naik sampai ke bibirku, samudra raya meliputi seluruh tubuhku, ganggang laut membelit kepalaku. **6** Aku terjun sampai ke dasar pegunungan, ke alam yang gerbangnya terkunci hingga akhir zaman. Nyawaku letih lesu di dalam diriku, lalu aku ingat dan berseru kepada-Mu. Maka sampailah doaku kepada-Mu, ke dalam Rumah-Mu yang kudus. Lalu Kaunaikkan aku dari dalam laut, ya Iouo Allahku! **7** (**6**) **8** Para penyembah berhala yang sia-sia, meninggalkan Engkau dan tak lagi setia.

**10** Kemudian, atas perintah Iouo, ikan itu memuntahkan Yunus ke daratan.

#### **Yunus 3:1-8,10**

**3** Untuk kedua kalinya Iouo berbicara kepada Yunus. **2** Kata-Nya, "Pergilah ke Niniwe, kota besar itu, dan sampaikanlah kepada rakyatnya, pesan yang Kuberikan kepadamu." **3** Maka Yunus mentaati Iouo dan pergi ke Niniwe, sebuah kota yang besar sekali; sehingga diperlukan tiga hari untuk melintasinya. **4** Yunus memasuki kota itu dan sesudah berjalan sepanjang hari, ia mulai berkhotbah, katanya, "Empat puluh hari lagi, Niniwe akan hancur!" **5** Penduduk Niniwe percaya kepada pesan Allah itu.

Seluruh rakyat memutuskan untuk berpuasa, dan semua orang, baik besar maupun kecil, memakai kain karung untuk menunjukkan bahwa mereka menyesali dosa-dosa mereka. 6 Waktu raja Niniwe mendengar kabar itu, ia segera turun dari takhtanya. Dilepaskannya jubah kerajaannya dan dipakainya kain karung, lalu duduklah ia di atas abu. 7 Ia juga menyiarkan maklumat ini, "Perintah ini dikeluarkan di Niniwe atas keputusan raja dan para menteri: Semua orang, sapi, domba dan ternak lainnya dilarang makan dan minum. 8 Manusia dan binatang harus memakai kain karung. Sebagai tanda penyesalan semua orang harus berdoa dengan sungguh-sungguh kepada Allah. Mereka harus memperbaiki kelakuannya yang jahat dan perbuatannya yang penuh dosa.

10 Allah melihat perbuatan mereka; Ia melihat bahwa mereka telah meninggalkan kelakuan mereka yang jahat. Maka Ia mengubah keputusan-Nya, dan tidak jadi menghukum mereka.



## Y. Malachi 3:1-3:10 and Malachi 3:16-3:23(4:5)

### Yoruba (èdè Yorùbá)<sup>y</sup>

#### Malaki 3:1-3:10

3 KIYESI i, Emi o ran iranṣe mi, yoo so tún ònà ṣe niwaju mi: ati Iouo, ti èyin nwa, yoo de ni òjìjì si tempili rẹ, àni iranṣe majemu naa, ti inu yin dun sí; kiyesi i, o nbọ wa, ni Iouo awọn omọ-ogun wí. 2 Şugbọn tani o le gba ojú wíwá rẹ? Tani yoo si duro nigba ti o ba fi ara han?" Nitori oun dabi iná ẹni ti nda fadaka, ati bi oṣe afoṣo: 3 Oun o si jókòó bi ẹni ti nyọ, ti o si nda fádákà; yoo wẹ awọn omọ Lefi mó, yoo sì tún wọn dà bí wúrà atí fádákà, ki wọn baa lè mú oṣe òdodo wá fun Iouo. 4 Nigba naa ni oṣe Juda ati ti Jerusalemu yoo wu Iouo, gẹgẹ bi ti ojú àtijọ, ati gẹgẹ bi oḍun igbaani." 5 "Emi o si sunmọ yin fun idajo, emi o si ṣe ẹlẹri yiyara si awọn oṣó, ati si awọn paṣaga, ati si awọn abura èké, ati awọn ti o ni alágbàṣe lara ninu oya rẹ, ati opó, ati alainibaba, ati si ẹni ti o nré alejo je, ti wọn kò si bèrù mi, ni Iouo awọn omọ-ogun wí. 6 "Nitori Emi ni Iouo, Emi ko yipada; nitori naa ni a kò ṣe run èyin omo Jakọbu. 7 Lati ojú awọn baba yin wa ni èyin tilẹ ti yapa kuro ni liana mi, ti ẹ kò si pa wọn mó. Ẹ yipada si oḍo mi, Emi o si yipada si oḍo yin, ni Iouo awọn omọ-ogun wí. Şugbọn èyin wi pe, 'Nipa bawo ni awa o yipada?' 8 Eniyan yoo ha ja Olorun ni olè? Şugbọn èyin sa ti ja mi ni olè. Şugbọn èyin wi pe, 'Nipa bawo ni awa fi ja o ni olè?' Nipa idamewa ati oṣe. 9 Rírẹ ni a o fi yin ré: nitori èyin ti ja mi lolè, gbogbo orilè-èdè yii. 10 Ẹ mu gbogbo idamewa wa si ilé iṣura, ki ounje ba lè wa ni ilé mi, ẹ si fi eyí dán mi wò ni isinsinyí, ni Iouo awọn omọ-ogun wí, ni emi kò bá ni sí awọn fèrèsè orun fun yin, ki Un si tú ibùkún àkúnwosile jade fun yin, tóbée ti ki yoo si àyè lati gbà á.

#### Malaki 3:16-3:23(4:5)

16 Nigba naa ni awọn ti o bèrù Iouo nba ara wọn sọrọ nigbakugba; Iouo si tẹtí si I, o si gbọ, a si kọ iwé-iranti kan niwaju rẹ, fun awọn ti o bèrù Iouo, ti wọn si nṣe àṣàrò orukọ re. 17 "Wọn o si je temi ni iní kan, ni Iouo awọn omọ-ogun wí, ni ojú naa, ti emi o da; emi o si da wọn si gẹgẹ bi eniyan ti maa nda omọ rẹ si ti o nsin in. 18 Nigba naa ni èyin o yipada, ẹ o si mọ iyàtò laarin olododo ati ẹni-bubu-ru, laarin ẹni ti nsin Olorun, ati ẹni ti kò sin in." 4:1 [3:19] SA kiyesi i, ojú naa nbọ, ti yoo maa jó bi iná iléru; ati gbogbo awọn agberaga, ati gbogbo awọn oluṣe bu-buru yoo dabi àgékù koriko: ojú naa ti nbọ yoo si jó wọn run, ni Iouo awọn omọ ogun wi, ti ki yoo fi kù gbòngbò tabi ẹka fun wọn. 2 [3:20] Şugbọn Oòrùn ododo yoo là, pẹlu imularada ni iyé-apá rẹ, fun èyin ti o bèrù orukọ mi; èyin o si jade lo, èyin o si maa dàgbà bi awọn ẹgbọrọ maalu inu agbo. 3 [3:21] Èyin o si tẹ awọn eniyan buburu mólẹ: nitori wọn o jási eérú lábé àtélẹsẹ yin, ni ojú naa tí emi o dá," ni Iouo awọn omọ-ogun wí. 4 [3:22] "Ẹ ranti òfin Mose iranṣe mi, èyí ti mo pa ni aṣe fún un ní Orebu fun gbogbo Israẹli, pẹlu aṣe ati awọn idajo wonyí." 5 [3:23] "Wo o, emi o rán woli Elijah si yin, ki ojú nla-nla Iouo, ati ojú ti o ni èrù to dé:

## Z. Revelation 19:1-16

### Greek (Ἑλληνική)<sup>z</sup>

#### ΑΠΟΚΑΛΥΨΙΣ ΙΩΑΝΟΥ 19:1-16

**19** Μετὰ ταῦτα ἤκουσα ὡς φωνὴν μεγάλην ὄχλου πολλοῦ ἐν τῷ οὐρανῷ λεγόντων Ἀλληλούϊα· ἡ σωτηρία καὶ ἡ δόξα καὶ ἡ δύναμις τοῦ Θεοῦ ἡμῶν, 2 ὅτι ἀληθινὰ καὶ δίκαια αἱ κρίσεις αὐτοῦ· ὅτι ἔκρινεν τὴν πόρνην τὴν μεγάλην ἣτις ἔφθειρεν τὴν γῆν ἐν τῇ πορνείᾳ αὐτῆς, καὶ ἐξεδίκησεν τὸ αἷμα τῶν δούλων αὐτοῦ ἐκ χειρὸς αὐτῆς. 3 καὶ δεύτερον εἶρηκαν Ἀλληλούϊα· καὶ ὁ καπνὸς αὐτῆς ἀναβαίνει εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. 4 καὶ ἔπεσαν οἱ πρεσβύτεροι οἱ εἴκοσι τέσσαρες καὶ τὰ τέσσερα ζῶα, καὶ προσεκύνησαν τῷ Θεῷ τῷ καθημένῳ ἐπὶ τῷ θρόνῳ λέγοντες Ἀμήν, Ἀλληλούϊα. 5 καὶ φωνὴ ἀπὸ τοῦ θρόνου ἐξῆλθεν λέγουσα Αἰνεῖτε τῷ Θεῷ ἡμῶν, πάντες οἱ δούλοι αὐτοῦ, οἱ φοβούμενοι αὐτόν, οἱ μικροὶ καὶ οἱ μεγάλοι. 6 Καὶ ἤκουσα ὡς φωνὴν ὄχλου πολλοῦ καὶ ὡς φωνὴν ὑδάτων πολλῶν καὶ ὡς φωνὴν βροντῶν ἰσχυρῶν, λεγόντων Ἀλληλούϊα, ὅτι ἐβασίλευσεν Ἰησοῦς ὁ Θεὸς ἡμῶν ὁ Παντοκράτωρ. 7 χαίρωμεν καὶ ἀγαλλιῶμεν, καὶ δώσομεν τὴν δόξαν αὐτῷ, ὅτι ἦλθεν ὁ γάμος τοῦ Ἄρνιου, καὶ ἡ γυνὴ αὐτοῦ ἠτοίμασεν ἑαυτήν, 8 καὶ ἐδόθη αὐτῇ ἵνα περιβάληται βύσσινον λαμπρὸν καθαρὸν· τὸ γὰρ βύσσινον τὰ δικαιώματα τῶν ἁγίων ἐστίν. 9 Καὶ λέγει μοι Γράψον Μακάριοι οἱ εἰς τὸ δεῖπνον τοῦ γάμου τοῦ Ἄρνιου κεκλημένοι. καὶ λέγει μοι Οὗτοι οἱ λόγοι ἀληθινοὶ τοῦ Θεοῦ εἰσιν. 10 καὶ ἔπεσα ἔμπροσθεν τῶν ποδῶν αὐτοῦ προσκυνῆσαι αὐτῷ. καὶ λέγει μοι Ὅρα μὴ σύνδουλός σου εἶμι καὶ τῶν ἀδελφῶν σου τῶν ἐχόντων τὴν μαρτυρίαν Ἰησοῦ· τῷ Θεῷ προσκύνησον· ἡ γὰρ μαρτυρία Ἰησοῦ ἐστίν τὸ πνεῦμα τῆς προφητείας. 11 Καὶ εἶδον τὸν οὐρανὸν ἠνεωγμένον, καὶ ἰδοὺ ἵππος λευκός, καὶ ὁ καθήμενος ἐπ' αὐτὸν καλούμενος Πιστὸς καὶ Ἀληθινός, καὶ ἐν δικαιοσύνῃ κρίνει καὶ πολεμεῖ. 12 οἱ δὲ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ φλόξ πυρός, καὶ ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ διαδήματα πολλά, ἔχων ὄνομα γεγραμμένον ὃ οὐδεὶς οἶδεν εἰ μὴ αὐτός, 13 καὶ περιβεβλημένος ἱμάτιον βεβαμμένον αἵματι, καὶ κέκληται τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ὁ Λόγος τοῦ Θεοῦ. 14 καὶ τὰ στρατεύματα τὰ ἐν τῷ οὐρανῷ ἠκολούθει αὐτῷ ἐφ' ἵπποις λευκοῖς, ἐνδεδυμένοι βύσσινον λευκὸν καθαρὸν. 15 καὶ ἐκ τοῦ στόματος αὐτοῦ ἐκπορεύεται ῥομφαία ὀξεῖα, ἵνα ἐν αὐτῇ πατάξῃ τὰ ἔθνη· καὶ αὐτὸς ποιμανεῖ αὐτοὺς ἐν ῥάβδῳ σιδηρᾷ· καὶ αὐτὸς πατεῖ τὴν ληνὸν τοῦ οἴνου τοῦ θυμοῦ τῆς ὀργῆς τοῦ Θεοῦ τοῦ Παντοκράτορος. 16 καὶ ἔχει ἐπὶ τὸ ἱμάτιον καὶ ἐπὶ τὸν μηρὸν αὐτοῦ ὄνομα γεγραμμένον ΒΑΣΙΛΕΥΣ ΒΑΣΙΛΕΩΝ ΚΑΙ ΚΥΡΙΟΣ ΚΥΡΙΩΝ.

Remark:

The ἰα of Ἀλληλούϊα is the Adamic IO (ἸϞ).

- 
- <sup>a</sup> Синодальный перевод Russian Synodal Version (1876) Public Domain
- <sup>b</sup> पवित्र बाइबिल [The Holy Bible (Hindi)] Serampore-based Version (n.d.) Public Domain (?)  
Retrieved from gospelgo.com
- <sup>c</sup> رضى المقدسة [The Holy Bible (Arabic)] Van Dyck Version (1865) Public Domain
- <sup>d</sup> Dakota Wowapi Wakan - The Holy Bible, in the Language of the Dakotas (1883) Public Domain
- <sup>e</sup> La Sacra Bibbia [The Holy Bible (Italian)] © 1974 Conferenza Episcopale Italiana C.E.I. (Episcopal Conference of Italy)
- <sup>f</sup> Kinh Thánh [The Holy Bible (Vietnamese)] Cadman Version (1934) Public Domain (?)
- <sup>g</sup> Den autoriserede oversættelse af Det Gamle Testamente – baseret på Septuaginta [The authorized translation of the Old Testament – based on the Septuagint (Danish)]  
© 1931 Det Danske Bibelselskab (The Danish Bible Society)
- <sup>h</sup> Bible Kralická [Kralice Bible (Czech)] (1613) Public Domain
- <sup>i</sup> Statenvertaling [States Bible (Dutch)] (1635) Public Domain
- <sup>j</sup> Szent Biblia [Holy Bible] Hungarian Károli Bible (1590) Public Domain
- <sup>k</sup> Biblia Sacra Vulgata - Public Domain
- <sup>l</sup> 1917 års kyrkobibel [1917 Church Bible (Swedish)] (1917) Public Domain
- <sup>m</sup> பரிசுத்த வேதாகமம் [The Holy Bible (Tamil)] (n.d.) Copyright status unknown.  
Retrieved from www.wordplanet.org
- <sup>n</sup> Biblia Gdńska – Danzig Bible (Polish) (1632) Public Domain
- <sup>o</sup> 성경 [The Holy Bible] Korean Revised Version KRV © 1961 대한성서공회 (Korea Bible Society)
- <sup>p</sup> Biblia Sagrada [The Holy Bible (Portuguese)] João Ferreira de Almeida Atualizada AA  
© 1948(?) Sociedade Biblica do Brasil (The Bible Society of Brazil) (?)
- <sup>q</sup> Biblia Takatifu [The Holy Bible] - Swahili Union Version © 1952 The Bible Society of Tanzania
- <sup>r</sup> 口語訳旧約聖書 (1955年版) Japanese Colloquial Bible Old Testament  
© 1955 日本聖書協会 (Japan Bible Society)
- <sup>s</sup> انجيل مقدس [The Holy Bible (Urdu)] (n.d.) Copyright status unknown.  
Retrieved from www.wordproject.org
- <sup>t</sup> Ang Biblia [The Holy Bible (Tagalog)] (1905) Public Domain
- <sup>u</sup> Maori Bible © 1957(?) Bible Society New Zealand
- <sup>v</sup> พระคัมภีร์ไบเบิล [The Holy Bible (Thai)] (n.d.) Copyright status unknown. Retrieved from www.wordplanet.org
- <sup>w</sup> Kitab-ı Mukaddes [The Sacred Book (=Bible) (Turkish)]  
© 1941 Kitab-ı Mukaddes Şirketi (Turkish Bible Society)
- <sup>x</sup> Alkitab Kabar Baik dalam Bahasa Indonesia Sehari-hari [The Good News Bible in Everyday Indonesian]  
© 1985 Lembaga Alkitab Indonesia (The Indonesian Bible Society)
- <sup>y</sup> BIBELI YORUBA ATÓKA - Yoruba Reference Bible © (n.d.) KAYBAL Bible Mission, Ibadan, Nigeria.
- <sup>z</sup> Η ΚΑΙΝΗ ΔΙΑΘΗΚΗ [The New Testament] Text with Critical Apparatus (1904) Public Domain.